छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 204 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 07 अगस्त 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

500 करोड़ से बदलेगी छत्तीसगढ़ की डिजिटल तस्वीर

सरकार का एआई मिशन मंजूर, 100 डेटा लैब और 300 स्टार्टअप बनेंगे

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन को दी गई मंजूरी पर भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने खुशी जताते हुए इसे सुशासन और डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देने वाला दूरदर्शी निर्णय बताया है।

सिसोदिया ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश के डिजिटल रोडमैप पर केवल बातें कीं, जबकि भाजपा सरकार धरातल पर काम कर रही है। 5 वर्षों के लिए इसे लागू किया जाएगा जिस पर 500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मिशन का मुख्य फोकस बड़े शहरों के साथ-साथ दूर-दराज के जिले, छोटे शहर और कस्बे होंगे ताकि अंतिम व्यक्ति तक तकनीक का लाभ पहुंचे।

क्या-क्या होगा मिशन में

मिशन के तहत राज्यभर में 100 अत्याधुनिक एआई डेटा लैब का निर्माण किया जाएगा। शोध और नवाचार के लिए 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित होंगे। युवाओं को बढ़ावा देने 300 से अधिक एआई स्टार्टअप्स को आर्थिक और तकनीकी सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही राज्य के 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को एआई का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। शासकीय कामकाज को सुगम, पारदर्शी और तेज बनाने के लिए 50 से अधिक एआई आधारित सेवाओं का विकास किया जाएगा।

कांग्रेस पर साधा निशाना

भाजपा जिला अध्यक्ष ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राजीव गांधी के कम्प्यूटरीकरण के सपने की बात करते हैं, लेकिन दशकों तक सत्ता में रहने के बाद भी उसे जमीन पर नहीं उतारा। उन्होंने कहा कि भाजपा की साय सरकार ने नीतियों को धरातल पर उतारकर दिखाया है कि सुशासन और डिजिटल परिवर्तन कैसे होता है।

उन्होंने कहा कि यह मिशन केंद्र सरकार के इंडिया एआई मिशन के अनुरूप छत्तीसगढ़ को एक उत्तरदायी, नवाचार आधारित और भविष्य उन्मुख डिजिटल राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

दुष्कर्म का फरार आरोपी 10 दिन तक पुलिस को दौड़ाने के बाद बिहार पटना में पकड़ाया

पुलिस से बचने राहगीरों से मोबाइल मांगकर करता था बात

एसएसपी ने 5000 का ईनाम किया था घोषित, बैंक खाता करवाया था फ्रीज

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नाबालिग से दुष्कर्म के बाद फरार हुए आरोपी ने पुलिस को 10 दिन तक 3 राज्यों में दौड़ाया, लेकिन डीआईजी व एसएसपी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने उसे बिहार के पटना में धर-दबोचा। आरोपी तरूण कुमार जायसवाल पकड़े जाने के डर से अपना मोबाइल बंद रखता था। बात करने के लिए राहगीरों से मोबाइल मांगता और तुरंत सिम निकाल देता था। पुलिस ने घटना के बाद से फरार थाना कोतवाली में दर्ज धारा 65(1) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट 4, 6 के आरोपी तरूण जायसवाल को गिरफ्तार करने के लिए उड़ीसा, झारखंड के देवघर से पटना तक पीछा किया।

दो विशेष टीमों का किया गठन-नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल ने बताया कि, डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए 2 विशेष टीम बनाई थी। टीम ने तकनीकी साक्ष्य, बैंक ट्रांजेक्शन और वाहन की ट्रेवल हिस्ट्री के सहारे आरोपी का पीछा शुरू किया। आरोपी देवघर, वासुकीनाथ, पुरी, रांची होते हुए पटना पहुंचा। पटना पुलिस के साथ समन्वय कर उसे हिरासत में लेने में पुलिस सफल हुई। आरोपी को पटना कोर्ट में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर अंबिकापुर लाया गया।

ईनाम की घोषणा, बंदूक की जब्ती-आरोपी की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने 5000 रुपये का ईनाम घोषित किया था। वहीं आरोपित के तलाशी दौरान दबिश देकर पुलिस ने आरोपी के नाम का 12 बोर डीबीएल लाइसेंसी बंदूक भी बरामद किया। इसका लाइसेंस निरस्त हो चुका था, इसके बाद भी आरोपी हथियार साथ रखे हुए था।

घर पर ताला, खाते फ्रीज-पुलिस को विवेचना के बीच पता चला कि आरोपी भफौली और चोपड़ापारा दोनों घरों में ताला लगाकर निकला था। सर्वप्रथम पुलिस ने उसका बैंक खाता फ्रीज कराया। संपर्क के सभी मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल निकाली। रिश्तेदारों पर भी लगातार दबाव बनाया गया। आरोपी तरूण कुमार जायसवाल पिता स्व. बंशीधर जायसवाल 51 वर्ष, ग्राम भफौली का रहने वाला है, इसका हाल मुकाम चोपड़ापारा, वसुंधरा हाइट फ्लैट 207 पर भी है।

आरोपी के गिरफ्त में आने के बाद पुलिस भी राहत की सांस ली है। इसके पहले कभी कोतवाली थाना तो कभी एसपी कार्यालय का घेराव की स्थिति सामने आ रही थी।

> पॉक्सो के मामलों में जीरो टॉलरेंस है। आरोपी कितना भी भागे, कानून के हाथ से बच नहीं सकता। तकनीक और जनता के सहयोग से हमने उसे पकड़ा है। मामले में एससी एसटी एक्ट की धारा के तहत भी कार्रवाई की गई है। अग्रिम विवेचना जारी है।
>
> **राहुल बंसल,**
> **सीएसपी अंबिकापुर**

भाग-दौड़ के बीच की फैक्ट फाइल

आरोपी के बंद मोबाइल फोन के बीच सरगुजा पुलिस ने देवघर, वासुकीनाथ, पुरी, रांची, पटना तक दौड़ लगाई। आरोपी राहगीरों से फोन मांगकर काम चला रहा था, जिससे पुलिस मिले लोकेशन पर पहुंचती, लेकिन वह फरार हो जाता। बिहार पुलिस के साथ संयुक्त आपरेशन में पटना से गिरफ्तार करने में मिली सफलता।

वजीफा में वृद्धि की मांग को लेकर एमबीबीएस इंटर्न्स की बेमियादी हड़ताल शुरू

कहा-ओडिशा से 3 गुना कम वजीफा, समाधान नहीं होने तक करेंगे काम का बहिष्कार

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अंबिकापुर' सहित पूरे छत्तीसगढ़ के एमबीबीएस इंटर्न वजीफे में सम्मानजनक वृद्धि की मांग को लेकर 6 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। इनके द्वारा काम का बहिष्कार करने की घोषणा की गई है। इसी क्रम में गुरूवार को एमबीएसएस इंटर्न कर रहे छात्र-छात्राओं ने जमकर हल्ला बोला, और अस्पताल परिसर में ही रैली निकाली।

इस संबंध में अधिष्ठाता को सौंपे गए पत्र में कहा गया है कि, 24 से 36 घंटे की ड्यूटी के बावजूद उन्हें केवल 15,900 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड मिलता है, जबकि पड़ोसी राज्य ओडिशा में 44,319 रुपये और अन्य राज्यों में लगभग 30,000 रुपये दिया जाता है। इन्होंने कहा है कि पिछले कई महीनों से प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और संबंधित अधिकारियों को लिखित आवेदन देने, मुलाकात करने के बाद सिर्फ समाधान का आश्वासन मिला, लेकिन प्रक्रिया में अत्यधिक विलंब हो रहा है। इस बीच उन्होंने दो दिवसीय प्रतीकात्मक काला फीता लगाकर विरोध प्रदर्शन और शांतिपूर्ण मार्च भी किया, लेकिन कोई ठोस जवाब नहीं मिला। इंटर्न्स का कहना है कि यदि यही स्थिति रही तो उनकी पूरी प्रशिक्षुता समाप्त हो जाएगी और उन्हें इसका लाभ नहीं मिल पाएगा। मजबूरन उन्हें लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण सभी साधन अपनाने के बाद यह निर्णय लेना पड़ा है।

मरीजों परेशान हों, उद्देश्य नहीं

इंटर्न्स ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य मरीजों को परेशान करना नहीं है। हड़ताल के दौरान आपातकालीन और जीवनरक्षक सेवाएं जारी रहेंगी। इस दौरान मरीजों के इलाज में किसी प्रकार की असुविधा होती भी है, तो इसकी जिम्मेदारी शासन की होगी। उन्होंने कहा कि वे शांतिपूर्ण और रचनात्मक संवाद के लिए हमेशा तत्पर हैं। इन्होंने आग्रह किया है कि, इस अनिश्चितकालीन हड़ताल की औपचारिक सूचना के रूप में माना जाए। इससे सभी विभागाध्यक्षों को भी अवगत कराया गया है, और उम्मीद जताई है कि उनकी मांगों के प्रति सरकार गंभीर होगी। इधर अस्पताल में एमबीबीएस इंटर्न को सौंपी गई जिम्मेदारियों के प्रभावित होने की संभावना बन रही है।

इनकी मुख्य मांग-वजीफा 15,900 से बढ़ाकर न्यूनतम 30,000 रुपये प्रतिमाह किया जाए। 24 से 36 घंटे ड्यूटी निर्वहन के बीच उन्हें कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, और जीवन यापन में कठिनाई जैसी परिस्थितियां निर्मित होती है। उन्होंने 2 दिवसीय काला फीता लगाकर काम करने और शांतिपूर्ण मार्च करके इस ओर शासन का ध्यानाकर्षण कराया, लेकिन कोई समाधानकारक पहल नहीं होने से उन्हें अनिश्चितकालीन हड़ताल जैसा कदम उठाना पड़ा है। इन्होंने कहा हम मरीजों को परेशान नहीं करना चाहते, लेकिन इतने कम स्टाइपेंड राशि में आने वाली दिक्कतों के कारण वे मानसिक पीड़ा झेल रहे हैं। सभी विकल्प आजमाने के बाद ही उन्होंने यह कदम उठाया है। इस दौरान काफी संख्या में एमबीबीएस इंटर्न कर रहे विद्यार्थी मौजूद थे।

बाइक से गिरकर घायल हुए मजदूर की मौत, दो घायल

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बाइक से अनियंत्रित होकर गिरे एक मजदूर युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, दो घायलों का क्षेत्रीय अस्पताल में उपचार चल रहा है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, जशपुर जिले के बगीचा थाना अंतर्गत ग्राम पुरंगा का पंकज एक्का पिता पीयूष एक्का 30 वर्ष, बुधवार को सुबह 8 बजे अपने बड़े भाई सरोज एक्का और अर्पण किण्डो के साथ मजदूरी करने के लिए मोटरसायकल से बगीचा गया था। दोपहर करीब 1.30 बजे ग्राम ओरकाडेरका में रपटा के पास अनियंत्रित हुई मोटरसायकल से गिरकर जख्मी हो गया। घटना के समय अर्पण मोटरसायकल चला रहा था। इसकी जानकारी टांगरडीह के एक ग्रामीण ने फोन करके घायल की पत्नि सरस्वती को दी थी। तीनों को घायल अवस्था में बगीचा स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, यहां से पंकज को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने रिफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में उपचार के दौरान गुरूवार को तड़के 4.30 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

दो हॉकी खिलाड़ियों का जूनियर एशिया-कप में चयन चीन में खेलेंगी

छ.ग. फ्रंटलाइन जशपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बिलासपुर की दो महिला हॉकी खिलाड़ी मधु सिदार और गीता यादव का चयन जूनियर एशिया कप-2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है। यह प्रतियोगिता 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चीन के मोकी में आयोजित होगी। दोनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने दोनों खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया है।

किसान परिवार से हैं मधु सिदार

मधु सिदार जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड के छोटे से गांव पोंगरो की रहने वाली हैं। उनके माता-पिता खेती करते हैं। मधु ने सब-जूनियर नेशनल चैंपियनशिप, स्कूल नेशनल और इंटर जोन चैंपियनशिप सहित कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। उन्होंने रायपुर में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में भी भाग लिया था। अप्रैल 2026 से वह बेंगलुरु में भारतीय जूनियर टीम के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं।

गीता पहले भी कई विदेशी दौरों पर कर चुकी हैं भारत का प्रतिनिधित्व

गीता यादव कबीरधाम जिले के बोडला की रहने वाली हैं। उन्होंने हॉकी की शुरुआती ट्रेनिंग कोच शिवा चौहान से ली। गीता इससे पहले नीदरलैंड, बेल्जियम, अर्जेंटीना और इंग्लैंड-स्कॉटलैंड दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। अब उन्हें जूनियर एशिया कप के लिए भी भारतीय टीम में जगह मिली है।

मंत्री और विभाग के अधिकारियों ने दी बधाई

खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार और संचालक तनुजा सलाम ने भी खिलाड़ियों की उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। फिलहाल दोनों बिलासपुर स्थित प्रदेश की पहली आवासीय खेल अकादमी में दोनों खिलाड़ी वरिष्ठ प्रशिक्षक राकेश टोप्पो और हेड कोच अजीत लकड़ा से प्रशिक्षण ले रही हैं।

अंबिकापुर को 6 नए विद्युत उपकेंद्र की सौगात, कटौती से मिलेगी राहत

महापौर की पहल पर 33/11 के.वी. उपकेंद्र बनेंगे, कलेक्टर ने दी हरी झंडी

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहरवासियों को गर्मी में हो रही बार-बार की विद्युत कटौती और फाल्ट से जल्द राहत मिलेगी। महापौर मंजूषा भगत की पहल पर अंबिकापुर शहर के 6 स्थानों पर 33/11 के.वी. के नए विद्युत उपकेंद्र बनाए जाएंगे। कलेक्टर ने इनके लिए भूमि आवंटन का आदेश भी जारी कर दिया है।

पिछले महीनों में विद्युत कटौती के कारण शहर में पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई थी। जनता के आक्रोश को देखते हुए महापौर ने पार्षदों और विद्युत विभाग के अधिकारियों की बैठक बुलाई। बैठक में विद्युत विभाग ने बताया कि शहर में विद्युत भार अत्यधिक बढ़ने के कारण कटौती और फाल्ट हो रहे हैं। इसका एकमात्र उपाय शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में नए उपकेंद्र स्थापित करना है। सबसे बड़ी समस्या भूमि की आड़े आ रही थी। महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी सहित एमआईसी सदस्य और पार्षदों की टीम ने कलेक्टर से मुलाकात करके समस्या से अवगत कराया था। इसके बाद कलेक्टर ने तत्काल भूमि आवंटन का आदेश दे दिया।

कार्यालय यंत्री, शहर संभाग, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड अंबिकापुर द्वारा जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इससे आने वाले कुछ महीनों में शहरवासियों को बिजली की गंभीर समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

इन 6 स्थलों का चयन उपकेंद्र के लिए

महापौर, विद्युत विभाग और नगर निगम की टीम ने पार्षदों के सहयोग से 6 स्थानों पर भूमि चिन्हित की है। इनमें नगर निगम की स्वामित्व वाली भूमि पर तत्काल अनापत्ति दे दी गई। जिन स्थलों का चयन किया गया है, इनमें गंगापुर वार्ड, पुराना बस स्टैंड में राज्य परिवहन डिपो, गहीरा गुरु वार्ड में मठपारा, महामाया पहाड़ घुटरापारा, डिगमा में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के पास, सिंचाई कॉलोनी बंगाली चैक शामिल है।

संयुक्त अभियान में गायत्री खदान से सात बाइक जब्त, दो कोयला चोर गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। गायत्री खदान में चार दिन पहले असिस्टेंट मैनेजर अशोक मेघवाल पर कथित कोयला चोरों द्वारा किए गए पथराव की घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुवार सुबह कोतवाली पुलिस और त्रिपुरा बटालियन के सुरक्षा कर्मियों की संयुक्त टीम ने गायत्री खदान में विशेष अभियान चलाकर कोयला चोरी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही मौके से सात मोटरसाइकिल भी जब्त कर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द की गईं।

जानकारी के अनुसार, संयुक्त टीम तड़के ही खदान पहुंच गई और घेराबंदी कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस और सुरक्षा बलों को देखते ही खदान में अफरा-तफरी मच गई। कई संदिग्ध मौके से भाग निकले, जबकि कुछ अपनी मोटरसाइकिलें वहीं छोड़कर फरार हो गए। अभियान के दौरान दो लोगों को पकड़ लिया गया, जिनके खिलाफ कोतवाली पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है।

क्षेत्र में लंबे समय से विभिन्न कोयला खदानों से बड़े पैमाने पर अवैध कोयला चोरी की शिकायतें सामने आती रही हैं। स्थानीय स्तर पर यह आरोप भी लगते रहे हैं कि रोजाना बड़ी मात्रा में कोयला चोरी कर बाहर ले जाया जाता है। इस मामले में पुलिस और खदान प्रबंधन एक-दूसरे पर पर्याप्त सहयोग नहीं मिलने का आरोप लगाते रहे हैं। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि इस स्थिति का लाभ उठाकर संगठित गिरोह अवैध कोयला कारोबार को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे कंपनी और सरकार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। फिलहाल, गायत्री खदान में चलाए गए इस संयुक्त अभियान को अवैध कोयला चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

जनहित की योजनाओं में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त मुख्यमंत्री ने दिए स्पष्ट निर्देश

अब प्रत्येक माह के अंतिम मंगलवार को पारस पोर्टल के माध्यम से होगी राज्यस्तरीय समीक्षा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन की योजनाओं का प्रभावी पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित कर आमजन को अधिकतम लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। सरकार का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना है। इसी दृष्टि से शासन की प्रमुख योजनाओं और जनसेवाओं की नियमित निगरानी के लिए विकसित पारस पोर्टल सुशासन का एक प्रभावी माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित पारस पोर्टल की पहली राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। बैठक में मुख्यमंत्री साय ने सीएम हेल्पलाइन 1076, सेवा सेतु, एग्रीस्टैक, विकसित भारत जी-रामजी, डीबीएन वित्तपोषित मोबाइल टॉवर परियोजना तथा स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े प्रमुख कार्यक्रमों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप परिणाम सुनिश्चित करे।

सीमांकन मामलों में लापरवाही पर मुख्यमंत्री की नाराजगी

बैठक में मुख्यमंत्री साय ने राजस्व विभाग में सीमांकन से संबंधित लंबित मामलों पर विशेष नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हो रही हैं और सक्षम अधिकारी के आदेश के बाद भी कई मामलों में समय पर सीमांकन नहीं हो रहा है। यह स्थिति आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी में डालती है तथा प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीमांकन संबंधी प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह जमीनी स्तर पर लापरवाही तथा जिला स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग के अभाव का परिणाम है। सभी कलेक्टर नियमित समीक्षा कर ऐसे मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करें।

एग्रीस्टैक में शत-प्रतिशत किसान पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एग्रीस्टैक में प्रत्येक पात्र किसान का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह केवल धान खरीदी की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की आधारभूत व्यवस्था है। उन्होंने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए कि जिलेवार विशेष अभियान संचालित कर प्रत्येक पात्र किसान का समय पर पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष व्यवस्था के प्रारंभिक चरण में कुछ व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आई थीं, लेकिन इस वर्ष किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही के कारण कोई पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित होता है तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन को बनाया जाए प्रभावी जनसमस्या समाधान का माध्यम

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन 1076 का उद्देश्य नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से बचाना है। उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन को जनता का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है, इसलिए प्राप्त शिकायतों और फीडबैक का गंभीर विश्लेषण कर व्यवस्थागत सुधार किए जाएं। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों की विशेष समीक्षा करते हुए विभागवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन जिलों का प्रदर्शन अपेक्षित नहीं है, वहां विशेष अभियान चलाकर शिकायतों का समयबद्ध एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में बताया गया कि सीएम हेल्पलाइन में अब तक एक लाख 10 हजार से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें 65 हजार से अधिक शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। प्राप्त फीडबैक में 55.29 प्रतिशत शिकायतकर्ताओं ने सकारात्मक संतुष्टि व्यक्त की है।

सेवा सेतु के माध्यम से सभी सेवाएं हों ऑनलाइन

मुख्यमंत्री ने सेवा सेतु पोर्टल की समीक्षा करते हुए कहा कि वर्तमान में 27 विभागों की 721 अधिसूचित सेवाएं इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन सेवाओं को अभी तक ऑनलाइन नहीं लाया गया है, उन्हें भी शीघ्र सेवा सेतु से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों, कॉमन सर्विस सेंटर तथा अटल सेवा केंद्रों के माध्यम से सेवा सेतु का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिकाधिक नागरिक घर के निकट ही ऑनलाइन सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

विकसित भारत जी-रामजी योजना में ग्राम पंचायतों को मिले प्राथमिकता

बैठक में विकसित भारत जी-रामजी योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में आधारभूत विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति दी जाए। जिन पंचायतों में अभी तक कार्य स्वीकृत नहीं हुए हैं, वहां तत्काल प्रस्ताव स्वीकृत कर विकास कार्य प्रारंभ किए जाएं, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत अधोसंरचना को तेजी से सुदृढ़ किया जा सके।

मोबाइल कनेक्टिविटी और स्कूल शिक्षा की भी हुई समीक्षा

बैठक में डीबीएन वित्तपोषित 476 मोबाइल टॉवरों की स्थापना की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन पर बल देते हुए कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके साथ ही स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, गणवेश वितरण, सरस्वती साइकिल योजना तथा प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

स्कूलों में पोषण और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री साय ने स्कूल परिसरों में किचन गार्डन विकसित करने के अभियान को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों को ताजा एवं पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। उन्होंने स्कूल परिसरों में सहजन, कटहल सहित अन्य उपयोगी पौधों के रोपण पर भी विशेष बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को पोषणयुक्त भोजन के महत्व से अवगत कराया जाए, ताकि वे स्वप्रेरणा से इस अभियान से जुड़ें और विद्यालयों में विकसित हो रही इस सकारात्मक पहल को जन आंदोलन का स्वरूप मिल सके।

प्रत्येक माह होगी पारस पोर्टल के माध्यम से समीक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारस पोर्टल शासन की योजनाओं की प्रभावी निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही को नई मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा की कि अब प्रत्येक माह के अंतिम मंगलवार को पारस पोर्टल के माध्यम से राज्य स्तर पर सभी प्रमुख योजनाओं एवं जनसेवाओं की नियमित समीक्षा की जाएगी। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में गति आएगी, समस्याओं का समय पर समाधान होगा और जनता तक शासकीय सेवाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा।

बैठक में वर्चुअल रूप से जिले से कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी सहित संबंधित अधिकारीगण जुड़े रहे।

रेलवे स्टेशन बिश्रामपुर पर 16 से लाइफ लाइन एक्सप्रेस में मिलेगा स्वास्थ्य लाभ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन की 256 वीं लाइफ लाइन एक्सप्रेस परियोजना अंतर्गत बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 में 16 अगस्त से 5 सितम्बर तक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस हॉस्पिटल ऑन व्हील्स में प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक ओपीडी सेवाएं संचालित होंगी, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच कर आवश्यकतानुसार नि:शुल्क शल्य चिकित्सा की जाएगी। शिविर में विभिन्न रोगों के लिए अलग-अलग तिथियां निर्धारित की गई हैं। नेत्र रोग अंतर्गत मोतियाबिंद एवं दृष्टिदोष से संबंधित जांच 16 से 21 अगस्त तक तथा शल्य क्रिया 17 से 22 अगस्त तक होगी। कान से संबंधित मध्य कर्ण शल्य क्रिया एवं ऑडियोमेट्री जांच 22 से 27 अगस्त तक तथा सर्जरी 23 से 28 अगस्त तक की जाएगी। कटे-फटे होंठ एवं जलने से उत्पन्न संकुचन के उपचार हेतु प्लास्टिक सर्जरी की जांच 28 से 31

अगस्त तथा शल्य क्रिया 29 अगस्त से 1 सितम्बर तक होगी। इसी अवधि में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए अस्थि रोग सुधार शल्य चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध रहेगी। दंत रोग संबंधी जांच एवं उपचार 1 से 5 सितम्बर तक तथा महिलाओं के लिए स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच व स्क्रीनिंग 16 से 21 अगस्त तक की जाएगी।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिलेवासियों से अपील की है कि लाइफ लाइन एक्सप्रेस के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के सदस्य नेत्र, कान, दंत अथवा अस्थि संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं, वे निर्धारित तिथियों में शिविर स्थल पर पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श एवं उपचार अवश्य प्राप्त करें। शिविर में उपचार हेतु आने वाले प्रत्येक मरीज को आधार कार्ड अथवा अन्य कोई पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। भर्ती किए जाने वाले मरीजों के साथ केवल एक परिजन को ही रहने की अनुमति दी जाएगी।

डीएमक्यू कॉलोनी में जलभराव की शिकायत पर अधिकारियों ने किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पिछले दिनों भारी बारिश में क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के सामने डीएमक्यू कॉलोनी में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई थी। खबर प्रकाशन उपरांत एसडीएम शिवानी जायसवाल के निर्देश पर गुरुवार को राजस्व विभाग की टीम डीएमक्यू कॉलोनी का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

जांच के दौरान वर्षों पुराने नाले पर कथित भू-माफिया द्वारा कब्जे की शिकायत सही नहीं पाई गई, लेकिन नाले की बदहाल स्थिति और सफाई के अभाव को जलभराव का मुख्य कारण माना गया। निरीक्षण के दौरान पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह, राजस्व निरीक्षक, हल्का पटवारी, वार्ड पार्षद मनी बग्गा, शीतीकांत स्वाई सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

टीम ने नाले और आसपास के क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच में स्पष्ट हुआ कि नाले पर किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं है, लेकिन नाला कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त है और उसमें जमा गंदगी के कारण भारी बारिश के दौरान पानी का बहाव बाधित हो जाता है। इसी वजह से डीएमक्यू कॉलोनी में बारिश का पानी भर गया था और रहवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। स्थल निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार मीना सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एसईसीएल बिश्रामपुर के क्षेत्रीय महाप्रबंधक से दूरभाष पर संपर्क किया। उन्होंने मौके की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया, जिसके बाद क्षेत्रीय महाप्रबंधक ने इंजीनियर और सर्वेयर की टीम को निरीक्षण स्थल पर भेजा। तकनीकी दल ने भी नाले की स्थिति का आकलन कर आवश्यक सुधार कार्यों की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी। बताया जा रहा है कि क्षेत्रीय महाप्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर नाले की मरम्मत और व्यापक सफाई कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बारिश में कॉलोनी के लोगों को जलभराव की समस्या से राहत मिल सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले की नियमित सफाई और मरम्मत नहीं होने के कारण मानसून में कॉलोनी जलमग्न हो गई थी।

प्रोत्साहन कप में हायर सेकेंडरी स्कूल करंजी ने जीता मैच

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रिमझिम बारिश के बीच न्यू टैलेंट प्रोत्साहन कब फुटबॉल टूर्नामेंट का पांचवे दिन का पहला मैच एकता स्टेडियम बिश्रामपुर में हायर सेकेंडरी स्कूल करंजी और कार्मेल कान्वेंट हिंदी मीडियम स्कूल बिश्रामपुर के बीच खेला गया। करंजी ने कार्मेल कान्वेंट स्कूल को 3-0से हराकर मैच जीत लिया। कोच महेंद्र राजवाड़े ने करंजी टीम को शुभकामना दी। मैन ऑफ द मैच करंजी के खिलाड़ी गौतम को दिया गया। आज के मुख्य अतिथि संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक यूनियन बिश्रामपुर के क्षेत्रीय सचिव पंकज गर्ग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पंकज गर्ग ने विजेता और उपविजेता दोनों टीमों को नगद पुरस्कार 500 रुपए और 200 रुपए प्रदान की। बारिश के बीच खेलते हुए मैच में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

मैच के मुख्य निर्णायक सज्जू कुमार व सह निर्णायक कुजूर और प्रियांशु भूमिका में रहे। मैच के कमेंट्री की भूमिका में केसरी और प्रकाश कुर्रे ने की। बेस्ट दर्शन के रूप में टी-शर्ट प्रदान किया गया। प्रोत्साहन कप का आयोजन जैन स्पोर्ट्स व ब्राइट स्टार फुटबॉल क्लब द्वारा की जा रही है। इस प्रतियोगिता में 14 टीमों में भाग लिया है। फाइनल मैच 15 अगस्त को खेला जाएगा। हल्की बारिश के बीच एकता स्टेडियम की गैलरी दर्शकों से भरी रही।

माइनिंग सरदारों की पदोन्नति पर उठे सवाल, एटक ने एसईसीएल प्रबंधन से मांगी त्वरित कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल में माइनिंग सरदार से ओवरमेन ग्रेड-बी पदोन्नति को लेकर लंबे समय से चली आ रही विसंगतियों का मामला एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है। संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए एसईसीएल प्रबंधन से पदोन्नति व्यवस्था में सुधार और ओवरमेन ग्रेड-बी के स्वीकृत पदों की संख्या बढ़ाने की मांग की है। संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक एसईसीएल बिलासपुर के महासचिव अजय विश्वकर्मा ने एसईसीएल के शीर्ष अधिकारियों को भेजे पत्र में उल्लेख किया है कि वर्तमान पदोन्नति व्यवस्था के कारण बड़ी संख्या में पात्र कर्मचारी अपने अधिकार से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई माइनिंग सरदार ऐसे हैं जिन्होंने डीजीएमएस ओवरमेन सर्टिफिकेट प्राप्त कर लिया है और पदोन्नति के लिए पूरी तरह पात्र हैं, लेकिन ओवरमेन ग्रेड-बी के सीमित स्वीकृत पदों के कारण वर्षों से उनकी पदोन्नति अटकी हुई है। इस स्थिति से कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित हो रहा है और उनके कैरियर की प्रगति भी बाधित हो रही है।

लंबे समय तक पदोन्नति नहीं मिलने से न केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि योग्य कर्मचारियों में असंतोष भी बढ़ रहा है। महासचिव अजय विश्वकर्मा ने अपने पत्र में प्रबंधन से मांग की है कि माइनिंग सरदार से ओवरमेन ग्रेड-बी पदोन्नति की वर्तमान नीति की व्यापक समीक्षा कर उसमें व्याप्त विसंगतियों को तत्काल दूर किया जाए। साथ ही सभी एसईसीएल क्षेत्रों में ओवरमेन ग्रेड-बी के स्वीकृत पदों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे पात्र कर्मचारियों को शीघ्र पदोन्नति का लाभ मिल सके।

संघ का मानना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो योग्य और प्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ अन्याय होता रहेगा। एटक ने प्रबंधन से आग्रह किया है कि कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए न्यायसंगत और पारदर्शी पदोन्नति व्यवस्था लागू की जाए, जिससे पात्र कर्मचारियों को उनके अनुभव और योग्यता के अनुरूप अवसर मिल सके। कोयला कर्मियों के बीच इस मांग को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

विकसित भारत जीरामजी, सीएम साय ने बताई खूबियां, 26 जनवरी तक तीन अभियान पूरे करने पर जोर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।वीबी जी राम जी को लेकर सीएम विष्णुदेव ने जानकारी दी। विकसित भारत जी राम जी को लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, सभी को मालूम है कि 1 जुलाई से हमारे देश में विकसित भारत जी राम जी योजना प्रारंभ हो चुकी है।इसके लिए हम पीएम नरेंद्र मोदी के आभारी हैं। ये योजना केवल रोजगार उपलब्ध कराने की योजना नहीं है बल्कि ग्रामीण विकास,जल संरक्षण, आधारभूत संरचना और कृषि आजीविका को भी सशक्त बनाने की पहल है। योजना के अंतर्गत देश के प्रधानमंत्री की संकल्पना है कि देश को 2047 तक विकसित भारत के तौर पर खड़ा करने का।उसमें महत्वपूर्ण भूमिका योजना निभाएगी।

साल में 125 दिन का मिलेगा रोजगार

जो भी पंजीकृत श्रमिक हैं उनकी डिमांड पर 125 दिन का रोजगार स्वीकृत होगा. इसके लिए मौजूदा फाइनेंसियल ईयर में राज्यांश सहित 5191 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है।इसके पहले तीन महीने तक इस फाइनेंसियल ईयर में रोजगार गारंटी का भी काम चला, जिसमें 1 हजार 264 करोड़ रुपए के काम तीन महीने में हुए। ये 1 जुलाई से ये लागू हुआ है। अब तक फाइनेंसियल 6855 करोड़ रुपया हमारे प्रदेश को मिल रहा है। जो अब तक का सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार एवं विकास के लिए वित्तीय निवेश है, इसके लिए हम एक बार फिर प्रधानमंत्री का आभार करना चाहेंगे।

वीबी जी राम जी योजना में 318 किस्म के काम

प्रथम किस्त के तौर पर हमारे प्रदेश को 1538 करोड़ 93 लाख की राशि मिल चुकी है. इसमें एक और खूबी है इसमें जो नरेगा की मजदूरी 261 रुपए प्रतिदिन थी उसे बढ़ाकर 300 रुपया किया गया है। 39 रुपया की बढ़ोतरी इसमें प्रतिदिन हुआ है, जिसका लाभ हमारे मजदूरों को मिलेगा। योजना के तहत इसमें कृषि प्रधान देश में बड़ा निर्णय लिया गया है। जिसमें साल में 2 माह तक ये योजना बंद रहेगी। इन दो महीनों में खेती किसानी करने वाले लोगों को मजदूर आसानी से मिल जाएंगे. इससे खेती कार्य करने में किसी को कोई परेशानी नहीं होगी। योजना में एक और खूबी ये भी है कि इस योजना में कुल 318 तरह के काम होंगे।

चार श्रेणियों में काम होंगे

इसमें चार श्रेणियों में काम होंगे. इसमें जल सुरक्षा काफी प्राथमिकता दिया गया है।विकसित भारत में 107 तरह के जल संरक्षण और जल संरचना से जुड़े काम होंगे. इसी तरह ग्रामीण अधोसंरचना के तहत 90 तरह के काम होंगे। गांव में आजीविका संवर्धन के लिए 86 प्रकार के काम इस योजना के तहत लिए जा सकेंगे। जलवायु अनुकूल एवं आपदा

प्रबंधन के कार्य इस योजना के तहत 35 तरह के काम लिए जा सकेंगे। इसमें प्राकृतिक आपदा, बाढ़, जंगल में आग जैसी चीजों के लिए इस योजना के तहत काम लिए जा सकेंगे।

पहला अभियान- हर स्कूल में शौचालय

15 अगस्त से लेकर 26 जनवरी तक मेरी बेटी मेरा अभिमान नाम से अभियान चलेगा। 6671 विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण होगा, इसमें कुल 286.85 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

दूसरा अभियान- मुक्तिधाम और प्रतीक्षालय निर्माण

पूरे प्रदेश में 6534 मुक्तिधाम और प्रतीक्षालय का निर्माण करेंगे, इसके एक यूनिट का लागत 6 लाख होगा। 549 ऐसी जगह है जहां सिर्फ मुक्तिधाम बनाने की आवश्यकता है। इसमें 18.22 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस तरह से 26 जनवरी 2027 तक प्रदेश के सभी गांव में मुक्तिधाम और शेड का निर्माण हो जाएगा। साथ ही शासकीय स्कूल में बच्चियों के लिए शौचालय का निर्माण होगा।

तीसरा अभियान : मोर गांव मोर पानी

इस अभियान की शुरूआत 24 अप्रैल 2025 में किए थे. इसके तहत 50 हजार से ज्यादा जल संरक्षण के तहत काम हुए हैं। 50 हजार जगहों पर काम बाकी है। 10 हजार 27 ड्राइ हैंडपंपों की पहचान करके इसे रिचार्ज किया जाएगा। रिचार्ज करने के एक यूनिट में 52 हजार का खर्च आएगा. इसके लिए 52.14 करोड़ की स्वीकृति होगी।

पिछला बकाया का हो रहा भुगतान

सीएम साय ने कहा कि पहले नरेगा में काम पहले होता था और पैसा बाद में आता था. लेकिन अब एडवांस में हमारे पास पैसा आ चुका है। मजदूरों को हम कहना चाहेंगे कि मजदूरी भुगतान में देरी नहीं होगी और पिछला बकाया 450 करोड़ रुपए में से 395 करोड़ का भुगतान हो चुका है। बाकी एक हफ्ते में हो जाएगा। ग्राम पंचायतों से कहना चाहूंगा कि जो तीन अभियान हैं उसके कार्य का प्रस्ताव जनपद पंचायत में जमा करें, उन्हें कामों की स्वीकृति शीघ्र अति शीघ्र मिल जाएगी। इससे पहले सीएम साय ने प्रेसवार्ता में देर से आने पर खेद जताया. उन्होंने बताया कि वो एक दूसरी मीटिंग में थे, जिसके कारण विलंब हुआ है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को जिले में उल्लास महा चौपाल कार्यक्रम का होगा आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 15 अगस्त 2026, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में उल्लास महा-चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि उल्लास का मूल मंत्र जन-जन साक्षर और कर्तव्य बोध है। इसका मुख्य उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक उम्र के वयस्कों को सशक्त बनाना है, जिन्होंने स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं किया है। इस वर्ष 15 अगस्त 2026 स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर आजादी के जश्न को साक्षरता के उल्लास के रूप में मनाया जाना है। इस दिवस साक्षरता को देशभक्ति से जोड़कर उल्लास महा-चैपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। इस हेतु जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में उल्लास महा- चौपाल कार्यक्रम हेतु वातावरण निर्माण किया जाना है। राज्य स्तर से प्राप्त निर्देश के परिपालन में महिला एवं बाल विकास विभाग के समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ग्राम प्रभारी शिक्षक के नेतृत्व में उल्लास महा-चौपाल कार्यक्रम एवं अन्य जागरूकता गतिविधियों सहित उल्लास साक्षरता कक्षा के संचालन में आवश्यक सहयोग करेंगे।राज्य स्तर से प्राप्त पत्र के परिपालन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के निर्देशानुसार समस्त जनपद व ग्राम पंचायतों में साक्षरता से संबंधित नारा लेखन का कार्य भी किया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या 14 अगस्त को सरपंचध्ग्राम प्रभारी के नेतृत्व में समुदाय, गांव के युवक-युवती, पुरुष, महिलाएं एवं बुजुर्गों को जोड़ते हुये उल्लास साक्षरता मोबाईल टॉर्च रैली, उल्लास मशाल रैली, प्रभात फेरी का आयोजन किया जाना है। साथ ही 15 अगस्त को ध्वजारोहण के पश्चात सामूहिक उल्लास शपथ, महाचौपाल और कहानियों का कारवां, मातृत्व साक्षरता, अंगूठा मुक्त पंचायत, डिजिटल साक्षरता और सेल्फी पाइंट, अंगूठे से कलम तक सम्मान समारोह, साक्षरता रंगोली और नुक्कड़ नाटक, उल्लास की घंटी, शिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण, उल्लास साक्षरता थीम पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है।

राज्य में धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू, अधिसूचना जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।धर्म स्वातंत्र्य विधेयक अब पूरी तरह लागू हो गया है। राज्य सरकार ने कानून से जुड़े नियम, प्रक्रियाएं और प्रावधान राजपत्र में अधिसूचित कर दिए हैं। अधिसूचना के प्रकाशन के साथ ही यह कानून पूरे प्रदेश में प्रभावी हो गया है। अब अवैध धर्मांतरण से जुड़े मामलों में इसी कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

24 धाराओं में तय हुई पूरी प्रक्रिया

सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, धर्म परिवर्तन से संबंधित अनुमति, सूचना, जांच और कार्रवाई की स्पष्ट प्रक्रिया निर्धारित की गई है। नियमों को चार भागों और 24 धाराओं में विभाजित किया गया है, ताकि कानून का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। नए प्रावधानों के तहत धर्म परिवर्तन से जुड़े मामलों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन अनिवार्य होगा और उल्लंघन की स्थिति में संबंधित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गृह मंत्री विजय शर्मा बोले- कानून का होगा सख्ती से पालन

धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू होने पर गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि अब अवैध धर्मांतरण कराने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कानून बनने के बाद इसका प्रभावी क्रियान्वयन सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, 'अवैध धर्मांतरण करने वालों का कलेजा थर-थर कांपेगा। सरकार केवल कानून बनाकर नहीं रुकेगी, बल्कि दोषियों पर निर्धारित प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई भी सुनिश्चित करेगी।'

अवैध धर्मांतरण के मामलों पर रहेगी कड़ी निगरानी

सरकार का कहना है कि नए कानून का उद्देश्य अवैध धर्मांतरण की शिकायतों पर कानूनी प्रक्रिया को स्पष्ट और प्रभावी बनाना है। इसके तहत संबंधित मामलों की जांच और कार्रवाई निर्धारित नियमों के अनुरूप की जाएगी। अब प्रदेश में धर्मांतरण से जुड़े मामलों की सुनवाई और कार्रवाई इसी अधिसूचित कानून के तहत होगी।

प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले शासन की योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।शासन की योजनाओं का प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित कर आमजन को अधिकतम लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। डबल इंजन सरकार का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना है।इसी दृष्टि से शासन की प्रमुख योजनाओं और जनसेवाओं की नियमित निगरानी के लिए विकसित पारस (ढ१ङ्मनीू३ अ२ीशे२ींल्ल३, फी५ी६ ल्ली अल्लंह्ल८२२ र८२३ी) पोर्टल सुशासन का एक प्रभावी माध्यम बनेगा।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को मंत्रालय में आयोजित पारस पोर्टल की पहली राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। बैठक में मुख्यमंत्री साय ने सीएम हेल्पलाइन 1076, सेवा सेतु, एग्रीस्टैक, विकसित भारत जी-रामजी, डीबीएन वित्तपोषित मोबाइल टॉवर परियोजना तथा स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े प्रमुख कार्यक्रमों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप परिणाम सुनिश्चित करे।

सीमांकन मामलों में लापरवाही पर मुख्यमंत्री की नाराजगी

बैठक में मुख्यमंत्री साय ने राजस्व विभाग में सीमांकन से संबंधित लंबित मामलों पर विशेष नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हो रही हैं और सक्षम अधिकारी के आदेश के बाद भी कई मामलों में समय पर सीमांकन नहीं हो रहा है। यह स्थिति आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी में डालती है तथा प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीमांकन संबंधी प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह जमीनी स्तर पर लापरवाही तथा जिला स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग के अभाव का परिणाम है। सभी कलेक्टर नियमित समीक्षा कर ऐसे मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने एग्रीस्टैक में प्रत्येक पात्र किसान का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह केवल धान खरीदी की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की आधारभूत व्यवस्था है। उन्होंने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए कि जिलेवार विशेष अभियान संचालित कर प्रत्येक पात्र किसान का समय पर पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष व्यवस्था के प्रारंभिक चरण में कुछ व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आई थीं, लेकिन इस वर्ष किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही के कारण कोई पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित होता है तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

कल्याण ज्वेलर्स में डकैती की साजिश नाकाम, पिस्टल-चाकू के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । रायपुर पुलिस की सक्रिय और प्रोएक्टिव पुलिसिंग के चलते राजधानी में एक बड़ी डकैती की साजिश समय रहते नाकाम कर दी गई। गुढ़ियारी थाना पुलिस ने पंडरी स्थित कल्याण ज्वेलर्स में डकैती की योजना बना रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, दो चाकू, तीन मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई है। मामले में शामिल दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशन में संदिग्ध व्यक्तियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।इसी अभियान के तहत मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर गुढ़ियारी थाना पुलिस ने रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर-7 के पीछे नया रोड के पास घेराबंदी कर तीन संदिग्ध युवकों को पकड़ा।

पहले की थी रेकी, फिर बनाई डकैती की योजना

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने पंडरी स्थित कल्याण ज्वेलर्स में रात के समय डकैती की योजना बनाई थी। इसके लिए 1 अप्रैल 2026 को एक आरोपी ने ज्वेलर्स की रेकी कर सुरक्षा व्यवस्था, आसपास के इलाके और वारदात को अंजाम देने के संभावित रास्तों की जानकारी जुटाई थी। पुलिस के अनुसार, फरार दो आरोपी लगातार मोबाइल के जरिए गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क में थे और रेकी की तस्वीरें साझा कर पूरी योजना तैयार कर रहे थे।

हथियार और अन्य सामान बरामद

गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, दो चाकू, तीन मोबाइल फोन और 2,500 रुपये नकद जब्त किए हैं। पुलिस तकनीकी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के नेटवर्क, हथियारों की व्यवस्था और पूरी साजिश की जांच कर रही है।

डकैती का प्रयास और आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज

गुढ़ियारी थाना में आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 321/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 310(4) (डकैती का प्रयास) और आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बस स्टैंड से 16 बच्चे रेस्क्यू, बाल तस्करी की आशंका में एक संदिग्ध हिरासत में

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दुर्ग)।बाल श्रम और बच्चों की तस्करी की आशंका के बीच दुर्ग में बुधवार रात बड़ी कार्रवाई की गई। राज्य बाल आयोग से मिली सूचना के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन, स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट (रखढव) और पद्मनाभपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने दुर्ग बस स्टैंड पर एक यात्री बस से 16 बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। इनमें 7 बच्चे नाबालिग और 9 बालिग पाए गए हैं। मामले में बच्चों को लेने पहुंचे एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सूचना मिलते ही हरकत में आई टीम

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के जिला परियोजना समन्वयक चंद्रप्रकाश पटेल ने बताया कि बुधवार शाम सूचना मिली थी कि रायपुर से दुर्ग आ रही एक बस में 10 से अधिक बच्चों को काम के लिए लाया जा रहा है। सूचना के

बाद चाइल्ड हेल्पलाइन, एसजेपीयू और पुलिस की संयुक्त टीम दुर्ग बस स्टैंड पहुंची और बस का इंतजार किया। रात करीब 8:30 बजे बस के पहुंचते ही टीम ने जांच की, जिसमें 16 बच्चे मिले। सभी बच्चों को सुरक्षित बस से उतारकर चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय ले जाया गया, जहां उनकी पहचान, दस्तावेजों की जांच और पूछताछ की गई।

काम दिलाने के नाम पर लाए गए थे बच्चे

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि सभी बच्चे कबीरधाम जिले के अलग-अलग गांवों के रहने वाले हैं। बच्चों ने बताया कि उन्हें पहले रायपुर में काम दिलाने की बात कही गई थी, जिसके बाद उन्हें दुर्ग भेजा गया। कुछ बच्चों ने यह भी बताया कि उन्हें उत्तर प्रदेश ले जाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पर नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया था। कुछ बच्चों ने मशरूम फैक्ट्री में काम कराने की जानकारी भी दी, हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका कि उन्हें दुर्ग में ही काम कराया जाना था या किसी अन्य राज्य भेजने की तैयारी थी।

सुबह से भूखे-प्यासे थे बच्चे

रेस्क्यू किए गए सभी बच्चे सुबह से भूखे-प्यासे थे। उन्हें सबसे पहले भोजन कराया गया, जिसके बाद नाबालिग बच्चों को सुरक्षित आश्रय गृह भेजा गया। अधिकारियों के अनुसार प्रत्येक बच्चे की अलग-अलग काउंसलिंग और विस्तृत पूछताछ की जाएगी, ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके।

एक संदिग्ध हिरासत में

जांच में 16 बच्चों में से 7 नाबालिग पाए गए। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय कुमार साहू ने बताया कि बस स्टैंड पर बच्चों को लेने पहुंचे एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। उसकी भूमिका ठेकेदार या नियोक्ता के रूप में होने की आशंका है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

आज बाल कल्याण समिति के समक्ष होंगे पेश

अधिकारियों के अनुसार गुरुवार को सभी नाबालिग बच्चों को बाल कल्याण समिति (उहउ) के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। समिति के निर्देशों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और संबंधित विभाग यह भी जांच कर रहे हैं कि बच्चों को किसने भेजा, उनका अंतिम गंतव्य क्या था और इस पूरे मामले में कितने लोग शामिल हैं। यदि जांच में बाल श्रम या मानव तस्करी से जुड़े किसी संगठित नेटवर्क के साक्ष्य मिलते हैं, तो संबंधित आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया पर जवाबदेही जरूरी

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया केवल संवाद और मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह सूचना, राजनीति, कारोबार और जनमत निर्माण की एक ऐसी ताकत बन चुका है, जिसका प्रभाव समाज के हर वर्ग पर पड़ता है। करोड़ों लोग फेसबुक, इंस्टाग्राम और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली सूचनाओं को सच मानकर आगे बढ़ाते हैं। ऐसे में इन प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित या हटाई जाने वाली सामग्री के पीछे काम करने वाली तकनीक और उसके संचालकों की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है। एल्गोरिदम की गलती को जवाबदेही से अलग नहीं किया जा सकता। भारत सरकार और मेटा की ग्लोबल टीम के बीच 5 और 6 अगस्त को होने वाली बैठक इसी लिहाज से महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने मेटा के प्रतिनिधियों को तलब कर चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल यानी सीएसएएम पर नियंत्रण में कथित चूक, फर्जी और सिंथेटिक एआई कंटेंट तथा बड़े नेताओं के वेरिफाइड अकाउंट्स पर गलत कार्रवाई जैसे गंभीर मुद्दों पर जवाब मांगा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा कंपनी के अब तक के जवाबों को नाकाफी माना जाना इस बात का संकेत है कि सरकार अब प्लेटफॉर्म की कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था को अधिक गंभीरता से परखना चाहती है। सबसे गंभीर विषय बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री है। यदि किसी प्लेटफॉर्म के विज्ञापन तंत्र या मॉडरेशन सिस्टम से ऐसी सामग्री गुजर जाती है तो इसे सामान्य तकनीकी चूक कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यहां सवाल किसी एक पोस्ट या एक अकाउंट का नहीं, बल्कि उस पूरी व्यवस्था का है जो सामग्री की पहचान, समीक्षा और विज्ञापन को मंजूरी देती है। बच्चों की सुरक्षा के मामले में 'मशीन से गलती हो गई' कोई पर्याप्त जवाब नहीं हो सकता। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो का कुछ समय के लिए हटना भी तकनीकी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। यदि मेटा के अनुसार यह तकनीकी त्रुटि थी और बाद में सामग्री बहाल कर दी गई, तो कंपनी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि गलती किस स्तर पर हुई और उसे दोबारा रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए। किसी भी आम नागरिक की सामग्री गलत तरीके से हटाना भी अनुचित है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री के आधिकारिक खाते से जुड़ी सामग्री के मामले में पारदर्शिता की अपेक्षा और बढ़ जाती है। कंटेंट हटाने और अकाउंट पर कार्रवाई के स्पष्ट नियम होने चाहिए। डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनी कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था के बारे में अधिक पारदर्शी होना होगा। किस आधार पर कोई पोस्ट हटाई गई, किस स्तर पर उसकी समीक्षा हुई, अपील की क्या व्यवस्था है और गंभीर चूक होने पर जिम्मेदारी किसकी होगी? ये ऐसे सवाल हैं जिनका स्पष्ट जवाब दिया जाना जरूरी है। विशेष रूप से एआई के बढ़ते इस्तेमाल के दौर में फर्जी और सिंथेटिक कंटेंट की पहचान बड़ी चुनौती बन रही है। ऐसे में केवल मशीनों के भरोसे इस चुनौती का समाधान संभव नहीं होगा। मशीन निर्णय ले सकती है, लेकिन अंतिम जवाबदेही इंसानी व्यवस्था की ही होनी चाहिए। तकनीकी गलती हो सकती है, लेकिन उस गलती को सुधारने, कारण बताने और भविष्य में उसकी पुनरावृत्ति रोकने की जिम्मेदारी कंपनी की होनी चाहिए। सरकार और मेटा को स्पष्ट सुरक्षा मानक, नियमित स्वतंत्र ऑडिट, पारदर्शी मॉडरेशन व्यवस्था और गंभीर चूक पर जवाबदेही की ठोस व्यवस्था निकालनी चाहिए। डिजिटल दुनिया में आजादी और सुरक्षा के बीच संतुलन तभी कायम होगा, जब तकनीक को ताकत मिले, लेकिन जवाबदेही उससे बड़ी रहे।

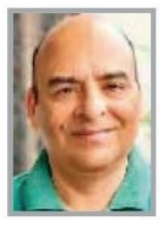

मुद्दा
पंकज चतुर्वेदी

विकास की अंधी दौड़ और पर्यावरण संरक्षण के बीच लंबे समय से चल रहे टकराव के बीच देश के सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला एक मील का पत्थर साबित होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के उस कार्यालय ज्ञापन को निरस्त कर दिया है, जिसके आधार पर बिना पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के शुरू हो चुकी विकास और औद्योगिक परियोजनाओं को बाद में वैध ठहराने का रास्ता बनाया गया था। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि पर्यावरणीय स्वीकृति किसी औपचारिक सरकारी मुहर का नाम नहीं, बल्कि एक अनिवार्य कानूनी और वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे किसी प्रशासनिक आदेश के सहारे कमजोर नहीं किया जा सकता।

पर्यावरण के विध्वंस पर विकास की मुहर नहीं

विकास की अंधी दौड़ और पर्यावरण संरक्षण के बीच लंबे समय से चल रहे टकराव के बीच देश के सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला एक मील का पत्थर साबित होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के उस कार्यालय ज्ञापन को निरस्त कर दिया है, जिसके आधार पर बिना पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के शुरू हो चुकी विकास और औद्योगिक परियोजनाओं को बाद में वैध ठहराने का रास्ता बनाया गया था। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि पर्यावरणीय स्वीकृति किसी औपचारिक सरकारी मुहर का नाम नहीं, बल्कि एक अनिवार्य कानूनी और वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे किसी प्रशासनिक आदेश के सहारे कमजोर नहीं किया जा सकता।

यह निर्णय हमारी न्याय व्यवस्था में पर्यावरण के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता का ही नहीं, बल्कि कानून के शासन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। इस फैसले ने उस खतरनाक प्रवृत्ति पर गहरी चोट की है जिसमें परियोजनाएं पहले नियमों को ताक पर रखकर शुरू कर दी जाती थीं और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के बाद पिछले दरवाजे से कागजी वैधता हासिल कर ली जाती थी। वर्षों से यह देखा जा रहा था कि उद्योग, खनन, सड़क, बिजली और अन्य निर्माण परियोजनाएं बिना समुचित पर्यावरणीय जांच के आरंभ हो जाती थीं। जंगलों की कटाई होती थी, पहाड़ों का सीना चीर दिया जाता था, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव कर दिया जाता था और जब विरोध बढ़ता था या मामला अदालत तक पहुंचता था, तब सरकारें कार्यालय ज्ञापनों और प्रशासनिक आदेशों के माध्यम से इन उल्लंघनों को नियमित करने का प्रयास करती थीं। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पर्यावरण जैसे गंभीर विषय पर ऐसे शॉर्टकट स्वीकार नहीं किए जा सकते। वर्ष 2006 की पर्यावरण प्रभाव आकलन व्यवस्था का मूल उद्देश्य यही था कि किसी भी बड़ी परियोजना के शुरू होने से पहले यह वैज्ञानिक रूप से जांच हो कि उसका जंगलों, जलस्त्रोतों, वन्य जीवों, खेती और स्थानीय आबादी पर क्या प्रभाव पड़ेगा। यदि संभावित नुकसान सामने आता है तो उसे कम करने के उपाय पहले से तय किए जाएं। यही कारण है कि इसे पूर्व स्वीकृति कहा गया है। यदि परियोजना शुरू होने के बाद अनुमति दी जाएगी तो पूरी प्रक्रिया केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगी। जिस जंगल की कटाई हो चुकी हो, जिस नदी का प्रवाह बदल चुका हो या जिस पहाड़ी को खोद दिया गया हो, वहां बाद की स्वीकृति प्रकृति को उसके पुराने स्वरूप में वापस नहीं ला सकती। यह निर्णय केवल पर्यावरण की रक्षा का मामला नहीं है, बल्कि सुशासन और जवाबदेही का भी प्रश्न है। जब नियम तोड़ने के बाद भी वैधता मिलने की संभावना बनी रहती है, तब कानून का सम्मान कम होता है और भ्रष्टाचार के अवसर बढ़ते हैं। परियोजनाओं को बाद में नियमित करने की व्यवस्था प्रशासनिक और राजनीतिक दबावों के लिए भी रास्ता खोल देती है। इससे यह संदेश जाता है कि पहले निर्माण कर लो, बाद में कागजी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रवृत्ति पर रोक लगाकर यह स्पष्ट कर दिया है कि कानून का पालन पहले होगा और विकास उसके बाद। देश के पर्यावरण पर इस फैसले का दूरगामी और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारत पहले ही जलवायु

परिवर्तन के गंभीर प्रभावों का सामना कर रहा है। कहीं भीषण बाढ़ है, कहीं लंबे सूखे की मार है, कहीं भूस्खलन बढ़ रहे हैं तो कहीं नदियां सिकुड़ रही हैं। हिमालयी राज्यों में अनियोजित निर्माण और अंधाधुंध खनन ने अनेक प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता बढ़ा दी है। पश्चिमी घाट, अरावली, मध्य भारत के वन क्षेत्र और तटीय इलाके भी लगातार दबाव झेल रहे हैं। यदि विकास परियोजनाओं का पर्यावरणीय मूल्यांकन ईमानदारी से पहले किया जाएगा तो अनेक संभावित नुकसान समय रहते रोके जा सकेंगे। इससे केवल प्रकृति ही नहीं बचेगी, बल्कि भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और मानवीय त्रासदियों को भी कम किया जा सकेगा।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्थानीय समुदायों के अधिकारों से भी जुड़ा है। बड़ी परियोजनाओं का सबसे अधिक असर आदिवासी, ग्रामीण और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों पर पड़ता है। उनकी आजीविका जंगल, जल और जमीन पर निर्भर होती है। यदि पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन पहले होगा और लोगों की आपत्तियों तथा सुझावों को गंभीरता से सुना जाएगा तो विकास अधिक न्यायपूर्ण और सहभागी बन सकेगा। लोकतंत्र का अर्थ केवल परियोजनाओं को मंजूरी देना नहीं, बल्कि उनसे प्रभावित लोगों की आवाज को भी महत्व देना है। बेशक, इस निर्णय से कुछ लोगों को यह आशंका हो सकती है कि विकास परियोजनाओं की गति धीमी पड़ जाएगी। यह चिंता पूरी तरह निराधार भी नहीं है। कई परियोजनाएं वर्षों तक फाइलों में अटकी रहती हैं, जबकि कुछ मामलों में बिना पर्याप्त जांच के मंजूरी भी मिल जाती है। इसलिए आवश्यकता केवल सख्ती की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था की भी है जिसमें वैज्ञानिक जांच पूरी गंभीरता से हो और निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्णय लिया जाए। विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना अपने आप में एक बड़ी भूल है। स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल, उपजाऊ भूमि और स्वस्थ जंगल किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यदि विकास के नाम पर इन्हें नष्ट कर दिया जाएगा तो भविष्य में बाढ़ नियंत्रण, जल संकट, स्वास्थ्य सेवाओं और आपदा प्रबंधन पर कहीं अधिक धन खर्च करना पड़ेगा। इसलिए पर्यावरण संरक्षण विकास का विरोध नहीं, बल्कि टिकाऊ और सुरक्षित विकास की पहली शर्त है। यह भी उल्लेखनीय है कि न्यायालय ने अपने निर्णय को भविष्य में लागू करने का रास्ता अपनाया है ताकि पहले से वैध हो चुकी परियोजनाओं पर अचानक संकट न आ जाए। इससे यह स्पष्ट होता है कि अदालत ने पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक स्थिरता, दोनों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया है। साथ ही उसने भविष्य के लिए यह स्पष्ट लक्ष्मण रेखा भी खींच दी है कि अब नियमों की अनदेखी कर बाद में वैधता हासिल करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। वास्तव में यह फैसला केवल एक कार्यालय ज्ञापन को रद्द करने का निर्णय नहीं है। यह शासन व्यवस्था, उद्योग जगत और समाज, तीनों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि विकास का रास्ता कानून और प्रकृति के सम्मान से होकर ही जाता है।

भारत को सड़कें, उद्योग, बिजली और आधुनिक आधारभूत ढांचा अवश्य चाहिए, लेकिन वह विकास तभी सार्थक होगा जब आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ नदियां, सुरक्षित जंगल, संतुलित जलवायु और स्वस्थ जीवन भी बचा रहे। सर्वोच्च न्यायालय ने याद दिलाया है कि प्रकृति के नियमों की अनदेखी करके प्राप्त किया गया विकास अंततः विनाश का ही दूसरा नाम होता है। यदि इस निर्णय की भावना को ईमानदारी से लागू किया गया तो यह भारत में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंथन
ऋतुपर्ण दवे

बड़ा संकेत दे गए तीन राज्यों के चुनाव परिणाम

तीन अगस्त को तीन राज्यों के नतीजे बहुत बड़े संकेत हैं। निश्चित रूप से बिहार का नतीजा जहां सत्ताधारी दल के लिए हैरान और परेशान करने वाला रहा, वहीं मध्यप्रदेश का नतीजा सत्ताधारी दल की अन्दरूनी गुटबाजी का परिणाम रहा। गुजरात में भाजपा की जीत स्वाभाविक कही जा सकती है। सबसे चर्चित जीत रही प्रशान्त किशोर उर्फ पीके की, क्योंकि राज्य की जनता को विकल्प के तौर पर एक नया दल जनसुराज जो मिल गया। पहले बिहार वासियों के पास दो ही विकल्प थे, राजद और भाजपा। राजद से मोहभंग हो गया था और पीके मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कवायद कर रहे थे। हालांकि, बीते विधानसभा चुनाव में उनका एक भी प्रत्याशी नहीं जीता और वो खुद चुनाव में खड़े नहीं हुए। वे बिहार की नब्ज को टटोलते रहे। इसी बीच नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी बांकीपुर सीट खाली हुई जो पीके के लिए मौके पर चौका लगाने जैसा रहा। बांकीपुर सीट पटना के शहरी इलाके की है, जिसे शुरू से ही भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा। इस नतीजे ने न केवल यह मिथक तोड़ा बल्कि भाजपा में खलबली मचा दी। माना जा रहा है कि पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों के चलते युवाओं की नाराजगी और जंतर-मंतर पर चले लंबे आन्दोलन ने भी भाजपा की छवि पर डेन्ट लगाया। इधर, भाजपा अति आत्मविश्वास में थी और यह समझने में नाकाम रही कि हवा हमेशा एक ही दिशा में नहीं बहती। चंदा चोरी और जेन-जी आन्दोलन के बीच भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारक उतार दिए। लेकिन राजद के चार सांसद तक बांकीपुर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो विदेश चले गए, जिन्होंने आखिर में रोड शो किया। तब तक बांकीपुर के मतदाताओं को यह समझना आसान हो गया कि तेजस्वी यादव और राजद अपने उम्मीदवार को लेकर गंभीर नहीं है। संकेत साफ रहा कि मतदाता को कहीं और शिफ्ट होना था। विकल्प के तौर पर पढ़ा-लिखा, राजनीति को समझने-जानने वाले रणनीतिकार के रूप में पीके का नाम था इसलिए ज्याद सोचने-समझने के बजाए बिहार और देश के हालातों को देखते हुए मतदाताओं ने इस छोटे से चुनाव में बड़ा संदेश दे दिया। भाजपा को नुकसान पहुंचाने में भरत तिवारी एनकाउंटर मामला भी माना जा रहा है। इस एनकाउंटर ने न केवल युवाओं बल्कि खुल कर भाजपा के सवर्ण विरोधी होने को जबरदस्त हवा दी। भाजपा के तमाम जिम्मेदारों और रणनीतिकारों ने भाजपा विरोधी माहौल को थामने और बदलने की कोशिश की, पर यह हो न सका। अंततः जीत भाजपा के हाथ से निकल गई और कई दशकों से भाजपा की परंपरागत कहलाने वाली बांकीपुर और नितिन नबीन के कारण अतिप्रतिष्ठित हुई सीट हाथ से निकल गई। अब बिहार की राजनीति को समझने वाले कह रहे हैं कि पीके भाजपा सरकार, विशेषकर सम्राट चौधरी के लिए सदन के अन्दर भी और बाहर भी मुश्किलें बढ़ाएंगे क्योंकि उनका मकसद सिर्फ विधायकी नहीं बल्कि अपनी पार्टी को बिहार में नया मुकाम देना है। यही स्थिति मध्यप्रदेश के दतिया में रही। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से नरोत्तम मिश्रा की हार के बाद भाजपा के अन्दरूनी हलकों में कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल था। वहां से चुने गए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा होने के बाद अप्रैल में अयोग्य घोषित कर दिए जाने से हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़कर सीट को बरकरार रखा। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बिना चुनाव लड़े मुश्किल नरोत्तम मिश्रा की हुई। उन्होंने चुनाव से काफी पहले ही प्रचार और जनसंपर्क बढ़ा दिया था, लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें टिकट नहीं मिली। इस कारण यह सीट बहुत ही बड़ी प्रतिष्ठा का कारण बन गई। नरोत्तम मिश्रा की स्थिति न उगल पाने, न निगल पाने जैसी हो गई। यदि यहां से भाजपा जीतती तो उनका राजनीतिक कद घटता और अब कांग्रेस जीत गई है तो भी उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। लेकिन नरोत्तम मिश्रा की मुसीबतें तो बढ़ीं। कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की संगठन में स्थिति और मजबूत होगी। मांजलपुर सीट से भाजपा की प्रचण्ड मतों से जीत ने पार्टी के लिए जश्न का मौका जरूर बरकरार रखा। हां, कोई माने या न माने भले ही सार्वजनिक न हो लेकिन अन्दरूनी तौर पर भाजपा भी गुटबाजी से उबर नहीं पा रही है। जेन-जी आन्दोलन, पेपर लीक और भी कुछ मुद्दों पर पार्टी में अलग-अलग विचार समझ आने लगे हैं। इन चुनाव नतीजों के बाद स्थिति-परिस्थिति क्या बनेगी, इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सुख के लिए तप की साधना जरूरी

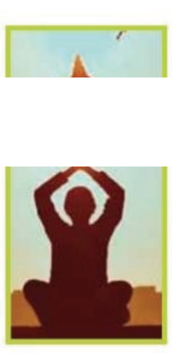

संकलित
दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन [illegible] और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

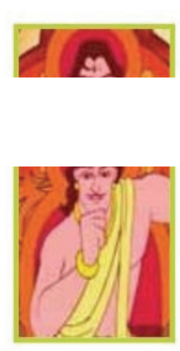

संकलित
प्रेरणा

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। गुरु तो रोज खूब मेहनत करते थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो [illegible] एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिये। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूं पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है ? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दियाः राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है... गुरूजी ने कहः राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहां पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है। गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वंय ऊंचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं। बस यही एक कारण है जिससे आपको न तो कोई शिक्षा प्राप्त हो रही है और न ही कोई ज्ञान मिल रहा है। आपके राजा होने के कारण मैं आप से यह बात नहीं कह पा रहा था।

सटाका

आज की पाती

हर मां को मिले सहयोग हर शिशु को मिले पोषण

शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सभी माताओं, परिवारों, स्वास्थ्यकर्मियों और नीति-निर्माताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा प्रत्येक शिशु को जीवन की सर्वोत्तम शुरुआत दिलाना है। इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ के साथ ही साथ वर्ल्ड अलायंस फोर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन का व्यापक समर्थन प्राप्त है। इस सप्ताह को मनाने की शुरुआत 1992 में 'वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन' ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के साथ मिलकर की थी। हर मां को सहयोग और हर शिशु को पोषण मिलना ही चाहिए।

- सुनीता देवी, झज्जर

ट्रेंड

पाटील का निधन दुःखद

महाराष्ट्र के जाने-माने शिक्षाविद्, समाजसेवी व पूर्व राज्यपाल डॉ. डी. वाई. पाटील का निधन दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व उनके परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें।

- **अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

'कवच योजना' को मंजूरी

आज कैबिनेट ने 'कवच योजना' को मंजूरी दी है, जिसके तहत लगभग 5,000 किसानों को नई क्रेडिट सुविधाओं तक पहुंच देकर मुख्यधारा से जोड़ने का फैसला किया गया है। इसके अलावा, विकास और जन-कल्याण से जुड़े अन्य फैसले भी लिए गए हैं।

- **डॉ. मोहन यादव**, सीएम, मध्यप्रदेश

जनता का शुक्रिया

हम गुजरात के मंजलपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते है कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा जताया। इस जीत के लिए हम बीजेपी के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियो को हार्दिक बधाई देते हैं।

- **नितिन नवीन**, अध्यक्ष, भाजपा

छात्रों का आंदोलन

झारखंड में छात्रों का आंदोलन अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। मैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह करता हूँ कि झारखंड के छात्रों के हित में वे तुरंत उनके प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करें। उनकी मांगों के लिए सार्थक कदम उठाएं।

- **रघुवर दास**, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

फर्जीवाड़े को लेकर 25 लोगों की अमेरिकी नागरिकता होगी रद्द

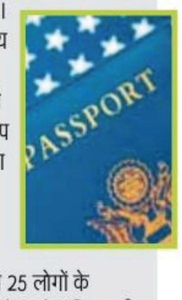

अमेरिका में पहचान संबंधी जानकारी में कथित फर्जीवाड़े से लेकर हत्या के प्रयास और बाल यौन शोषण जैसे आरोपों वाले मामलों में भारतीय मूल के एक व्यक्ति सहित 25 लोगों की नागरिकता रद्द की जा रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने 65 वर्षीय नरिंदर सिंह के खिलाफ डेलावेयर जिला न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। उन पर अमेरिका में प्रवेश पाने के लिए फर्जी पहचान का सहारा लेने का आरोप है। न्याय मंत्रालय के मुताबिक सिंह ने 1996 में अमेरिका में प्रवेश के लिए गलत पहचान का इस्तेमाल किया और एक मई, 2008 को अमेरिका के नागरिक बन गए। शिकायत में उनके कई गलत बयानों और गैर-कानूनी कामों का जिक्र करते हुए सात आरोप लगाए गए हैं। जिन 25 लोगों के खिलाफ नागरिकता रद्द करने की कार्यवाही शुरू की गई है उनमें पाकिस्तानी मूल के दो लोग- जिया मुराद भट्टी और मोहम्मद वासिफ भी शामिल हैं। उन पर पहचान से जुड़ी गलत जानकारी देने के आरोप हैं। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'अमेरिका की नागरिकता हमारे देश के सर्वोच्च विशेषाधिकारों में से एक है और इसे वैध तरीके एवं ईमानदारी से ही हासिल किया जाना चाहिए।'

ऑफ बीट

तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है विटामिन बी6

ऑस्ट्रेलिया के औषधि नियामक ने दावा किया है कि विटामिन बी6 की अत्यधिक मात्रा तंत्रिकाओं को क्षति पहुंचाने सहित ऐसे कई घातक दुष्प्रभाव उत्पन्न कर सकती है जो हमारी सोच से कहीं अधिक होंगे। ऑस्ट्रेलिया की दवा नियामक संस्था 'थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन' (टीजीए) ने यह दावा किया है। इस सप्ताह के शुरु में एबीसी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि टीजीए के एक प्रवक्ता के मुताबिक, विटामिन बी6 के दुष्प्रभावों की गंभीरता का अब तक शायद कमतर ही आकलन किया गया था। बहरहाल, सुरक्षा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर, विटामिन बी6 की उच्च मात्रा वाले सप्लीमेंट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। देशभर में लोगों के रक्त के नमूनों में विटामिन बी6 की जांच करने वाले एक पैथोलॉजिस्ट ने बताया कि मई में की गई जांच में लगभग 4.5 प्रतिशत नमूनों में ऐसे संकेत मिले जो तंत्रिकाओं को नुकसान की संभावना की ओर इशारा करते हैं। विटामिन बी6 को पायरीडॉक्सीन भी कहा जाता है। यह शरीर में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा के चयापचय में अहम भूमिका निभाता है। यह मस्तिष्क में न्यूरोट्रांस्मीटर के उत्पादन, प्रतिरक्षा प्रणाली के समर्थन और हीमोग्लोबिन उत्पादन में भी सहायक होता है।

खबर संक्षेप

अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री कपूर भारत दौरे पर

नई दिल्ली। अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री एस. पॉल कपूर 5 से 12 अगस्त तक भारत, उज्बेकिस्तान, किर्गिज गणराज्य और कजाकिस्तान की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरे का उद्देश्य क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और अमेरिका की दक्षिण एवं मध्य एशिया नीति को आगे बढ़ाना है। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, कपूर भारत यात्रा में अमेरिका-भारत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी, मुक्त एवं समावेशी हिंद-प्रशांत, उभरती प्रौद्योगिकियों पर चर्चा करेंगे।

डीआरआई ने जब्त किया 3 करोड़ का बैन खजूर

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने एक ऐसे मामले का खुलासा किया है जिसमें पाकिस्तान से आयातित वस्तुओं को तीसरे देशों के माध्यम से गुप्त रूप से भेज कर उनके बारे में गलत जानकारी दी जा रही थी। इस अभियान के दौरान 3 करोड़ रुपए मूल्य की 364 मिलियन टन सूखा खजूर जब्त किया गया, जो पाकिस्तान से आयात किया गया था। वित्त मंत्रालय ने डीआरआई के अधिकारियों ने कांडला बंदरगाह पर आयातित 364 मिलियन टन सूखे खजूर से भरे 13 कंटेनरों को जब्त किया।

वायुसेना प्रमुख पहुंचे वियतनाम

रक्षा सहयोग, क्षमता निर्माण को मजबूत बनाने पर ध्यान

एपी सिंह और जनरल गुयेन तान कुओंग

- क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी हुई बातचीत
- दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

एजेंसी ▶▶ हनोई

भारत और वियतनाम ने उच्चस्तरीय रक्षा वार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े साझा मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। यह बैठक भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और वियतनाम पीपुल्स आर्मी के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ एवं उप रक्षा मंत्री जनरल गुयेन तान कुओंग के बीच हुई। हनोई स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि दोनों नेताओं ने भारत-वियतनाम रक्षा सहयोग में हुई सकारात्मक प्रगति की

वायुसेना की रेजीमेंट का दौरा किया

इससे पहले एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हनोई स्थित हो ची मिन्ह समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने वियतनाम वायुसेना की 371 एयर डिवीजन की रेजिमेंट-927 का दौरा किया और वहां के वरिष्ठ अधिकारियों तथा लड़ाकू विमान चालकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रेजिमेंट की परिचालन क्षमता और प्रशिक्षण व्यवस्था की जानकारी भी ली। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह सोमवार से तीन दिवसीय आधिकारिक वियतनाम दौरे पर हैं। हनोई पहुंचने पर भारत के राजदूत शेरिंग डब्ल्यू. शेरपा ने उनका स्वागत किया और दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। दौरे के दौरान एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का औपचारिक स्वागत वियतनाम पीपुल्स आर्मी की एयर डिफेंस-एयर फोर्स सर्विस ने किया।

वैश्विक सुरक्षा के मुद्दे पर विमर्श

विशेष रूप से दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच सहयोग, क्षमता निर्माण और पेशेवर आदान-प्रदान को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा से जुड़े साझा मुद्दों पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने भारत और वियतनाम के बीच रक्षा सहयोग को और गहरा करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

अनुच्छेद 370 हटने के 7 साल पूरा होने पर पीएम मोदी बोले

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख ने विकास का नया दौर देखा, लोगों के जीवन में आया बड़ा बदलाव

पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले सात वर्षों में दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता तथा खेल जैसे क्षेत्रों में नए अवसर बढ़े हैं

- भारतीय संविधान को पूरी तरह से सशक्त बनाया गया
- दशकों तक संवैधानिक अधिकारों से रखा गया वंचित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35(ए) हटाए जाने के सात साल बुधवार, 5 अगस्त को पूरे हो गए। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा कि तब से दोनों क्षेत्रों में लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं।

पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि आज ही के दिन सात वर्ष पहले अनुच्छेद 370 और 35(ए) इतिहास बन गए थे। इससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की विकास यात्रा में एक निर्णायक नए अध्याय की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता तथा खेल जैसे क्षेत्रों में नए अवसर बढ़े हैं। पीएम मोदी ने कहा कि चाहे महिलाएं हों या वंचित समुदाय, जिन लोगों को दशकों तक अपने मूल संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया, उन्हें भारतीय संविधान के पूर्ण रूप से लागू होने के कारण सशक्त बनाया गया है।

डॉ. मुखर्जी का स्वप्न साकार हुआ

पीएम ने कहा कि इस वर्ष 5 अगस्त का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि देश डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है। राष्ट्रीय एकता के प्रति उनका आजीवन समर्पण आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। उन्होंने दशकों पहले जो सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से साकार हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और यह सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है कि हर नागरिक बड़े सपने देख सके, उन्हें पूरा कर सके और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सके।

एलजी मनोज सिन्हा ने दिए प्रमाण पत्र

आतंकवाद पीड़ित परिवारों के परिजनों को मिली सरकारी नौकरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि आतंकवादी हमलों में मारे गए नागरिकों के परिजनों को सरकारी नौकरी देना केंद्रशासित प्रदेश में न्याय, पुनर्वास और सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में एक नया अध्याय है।

श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में आतंकवादी हिंसा में मारे गए नागरिकों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। एलजी ने कहा कि आतंकवादी हिंसा में मारे गए नागरिकों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने का फैसला प्रभावित परिवारों को न्याय, पुनर्वास और सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आतंकवादी हिंसा से तबाह हुए परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा होना सरकार की संवैधानिक, नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी है।

हर पात्र परिवार को अवसर मिलेगा

एलजी ने कहा कि हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। आतंकवाद से प्रभावित हर पात्र परिवार को न्याय, पुनर्वास और सम्मान के साथ अपना जीवन फिर से शुरू करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रशासन के समन्वित प्रयासों से आतंकवाद के तंत्र को खत्म करने और केंद्रशासित प्रदेश में स्थायी शांति स्थापित करने का काम जारी है। हाल के वर्षों में जम्मू-कश्मीर में सड़क कनेक्टिविटी, सुरंग इंफ्रास्ट्रक्चर, हवाई अड्डों, शिक्षण संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है।

लद्दाख के एलजी सक्सेना बोले — विकास और शांति की राह पर तेजी से बढ़ रहा केंद्र शासित

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के स्थापना दिवस के मौके पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बुधवार को प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लद्दाख ने शांति, विकास और मजबूत स्थानीय शासन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने आर्टिकल 370 के प्रावधानों में बदलाव करते हुए तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया था। इसी दिन लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिला था।

शांति व्यवस्था मजबूत

उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि केंद्र सरकार ने लद्दाख के लोगों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार काम किया है। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में विकास की गति तेज हुई है, शांति व्यवस्था मजबूत हुई है और स्थानीय स्तर पर शासन व्यवस्था को भी मजबूती मिली है।

शपथ पत्र

मैं रियेश द्विवेदी पिता कमलेश द्विवेदी आयु लगभग-19 वर्ष, निवासी नगर चायत भटगांव, थाना व तहसील भटगांव, जिला सूरजपुर (छ०ग०) का निवासी हूं, जो कि निम्नांकित कथन शपथ पूर्वक करता हूं:-

यह कि मैं शिक्षा सत्र-2023-24 में कक्षा-10 वी परीक्षा डी०ए०व्ही० पाब्लिक स्कूल भटगांव, जिला सूरजपुर (छ०ग०) से उत्तीर्ण किया हूं।

यह कि उक्त कक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात मुझे स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टी०सी०) जारी कर प्रदान किया गया था, जिसको मैं अपने निवास स्थान पर सुरक्षित रखा थी, किन्तु अब वर्तमान में मुझे मेरा स्थानांतरण प्रमाण पत्र नहीं मिल रहा है, मेरे द्वारा काफी खोज बिन किया गया है, किन्तु नहीं मिला है, और न ही मिलने की कोई संभावना है। यह कि मुझे मेरे स्थानांतरण प्रमाण पत्र की द्वितीय प्रति प्रदान किया जावे, जिस हेतु यह शपथ प्रस्तुत है।

शपथ कर्ता

श्रीलंका के राष्ट्रपति से मिले विदेश सचिव मिसरी

तूफान दितवाह के बाद पुनर्निर्माण के लिए 350 मिलियन डॉलर का एमओयू साइन

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

एओयू का आदान-प्रदान करते अधिकारी

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अपने एक दिवसीय श्रीलंका दौरे के दौरान कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके से मुलाकात की। बातचीत आपसी हित के मुद्दों और प्रमुख द्विपक्षीय परियोजनाओं की समीक्षा पर केंद्रित रही, जिसमें श्रीलंका में भारत की मदद से चल रही विकास परियोजनाएं भी शामिल हैं। बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने 350 मिलियन अमेरिकी डॉलर की भारतीय रुपए में तय 'लाइन ऑफ क्रेडिट' (एलओसी) से जुड़े समझौतों का आदान-प्रदान किया। यह राशि भारत द्वारा चक्रवात 'डिटवाह' के बाद दिए गए 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज का हिस्सा है। ये एलओसी चक्रवात के बाद जरूरी पुनर्निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास और खरीद की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेंगी।

पीएम अमरसूर्या से ... का मुलाकात

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने श्रीलंका की पीएम डॉ. हरिनी अमरासूर्या से मुलाकात की। उन्होंने भारत और श्रीलंका के बीच करीबी रिश्तों की मजबूत और जन-केंद्रित नींव को फिर से दोहराया। उन्होंने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच और सहयोग के तरीकों पर भी चर्चा की। मिसरी ने भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और 'विजन महासागर' को आगे बढ़ाने में श्रीलंका की महत्वपूर्ण भूमिका को दोहराया।

थलसेना प्रमुख जनरल सेठ ने की अपील

भविष्य की चुनौतियों के लिए हर परिस्थितियों में तैयार रहें सैनिक

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने लखनऊ स्थित मध्य कमान मुख्यालय में सेना प्रमुख को कमान की परिचालन स्थिति, आधारभूत ढांचे के विकास, आधुनिकीकरण और युद्धक तैयारियों को मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी गई। इसके बाद उन्होंने उत्तर भारत एरिया मुख्यालय का दौरा किया। यहां उन्होंने सैन्य कमांडरों और सैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य, परिचालन तैयारियों और जारी क्षमता संवर्धन पहलों की समीक्षा की। सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशनल तैयारी, बदलती परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की क्षमता और आत्मनिर्भरता ही सैन्य प्रभावशीलता की आधारशिला हैं। उन्होंने सैनिकों से सतर्क रहने, परिचालन दृष्टि से चुस्त बने रहने और भविष्य की चुनौतियों के लिए हमेशा तैयार रहने का आह्वान किया।

निवेश धोखाधड़ी: सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

यूएई से भारत लाई गई 88 करोड़ की ठगी करने वाली वॉन्टेड राठौड़

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के समन्वय से 88 करोड़ रुपए के निवेश फ्रॉड केस में वॉन्टेड भगोड़ी विशाखा राठौड़ को संयुक्त अरब अमीरात से भारत वापस लाने में कामयाबी हासिल की है।

विशाखा राठौड़ बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में वांछित थी। अन्य लोगों के साथ आपराधिक साजिश रचकर, उसने निवेशकों को निश्चित मासिक रिटर्न का झूठा वादा करके कई योजनाओं में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। इंटरपोल के माध्यम से उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी किया गया था। विशाखा राठौड़ 3 अगस्त 2026 को पुणे पहुंची और महाराष्ट्र पुलिस की टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। सीबीआई के अनुसार, विशाखा राठौड़ ने बेईमानी से धन का गबन किया। निवेशकों से जो पैसा एकत्रित किया गया था, उसे कई बैंक अकाउंट और डीमैट खातों के माध्यम से स्थानांतरित कर दिया। आरोपी ने निवेशकों को कई स्कीमों में पैसा लगाने के लिए उकसाया था। उसने लोगों से भारी रिटर्न देने का झूठा वादा किया। बाद में निवेशकों को जब कोई रिटर्न नहीं मिला तो उन्हें पता चला कि वे धोखाधड़ी का शिकार हो गए हैं।

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक/पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं नसरुद्दीन अंसारी (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र नुर मुहम्मद अंसारी गाँव रामनगर कला तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्री का नाम नुरनजीना (पुराना नाम) से बदल कर नूरी नगिना (नया नाम) रख लिया है।

नसरुद्दीन अंसारी
पिता/पालक के हस्ताक्षर

प्रारूप -(एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं टेकचन (पुराना नाम जिसे बदल जाना है) सुपुत्र सहत गांव अतौरी तहसील डौरा कोचली जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम टेकचन (पुराना नाम) से बदलकर टेकचन्द (नया नाम) रख लिया है

टेकचन
हस्ताक्षर (पुराने नाम से)

मोतीलाल नगर पुनर्विकास में तेजी लाने की मांग

मुंबई, गोरेगांव (पश्चिम) स्थित मोतीलाल नगर क्रमांक 1, 2 और 3 की म्हाडा कॉलोनियों का पुनर्विकास अब बिना किसी और देरी के तत्काल शुरू किया जाए। यह मांग मोतीलाल नगर जनकल्याणकारी समिति (रजि.), मोतीलाल नगर रहिवासी विकास संघ (रजि.) तथा मोतीलाल नगर पुनर्विकास समन्वय समिति ने संयुक्त रूप से आयोजित एक पत्रकार परिषद में की। यह पत्रकार परिषद आज मुंबई मराठी पत्रकार संघ में आयोजित की गई। पत्रकार परिषद में मोतीलाल नगर जनकल्याणकारी समिति की अध्यक्षा श्रीमती माधवी राणे, अध्यक्ष मल्हारी भिसे, महासचिव संतोष परब सहित अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री मल्हारी भिसे ने कहा कि मोतीलाल नगर में हजारों परिवार कई दशकों से पुरानी, जर्जर और खतरनाक इमारतों में रहने को मजबूर हैं।

न्यायालय तहसीलदार पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)
रा०मा०क्र०-/अ-21(5)/2025-26
ग्राम-मदनपुर इंजको, तहसील पत्थलगाव
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत, मदनपुर इंजको को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका/विक्रेता बीना नामदेव पति सुरेश कुमार जाति-छिपी निवासी ग्राम-मदनपुर इंजको, तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम-पत्थलगांव, प०ह०नं० 04 रा०नि०म० केराकछार, तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) में स्थित अपने स्वामित्व की व्यपवर्तित भूमि ख०नं० 99/2/ख रकबा 0.045 हे० भूमि को अनावेदक निकुम प्रसाद नवरंग पिता लल्लू नवरंग जाति सतनामी निवासी ग्राम/तहसील- पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०) के पक्ष में पंजीकृत विक्रय-पत्र के माध्यम से अन्तरण किये जाने की अनुमति प्रदाय करने हेतु कलेक्टर महोदय जशपुर (छ०ग०) को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा०) पत्थलगांव के माध्यम से इस न्यायालय को जाँच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। उक्त प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त व्यपवर्तित भूमि के पंजीकृत दान पत्र के माध्यम से अनुमति के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वंय अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दावा या आपत्ति दिनांक 21.08.2026 तक न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत समय पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
पत्थलगांव, जिला-जशपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम - प.ह.न.
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जगधारी पिता मोहन जाति बरगाह निवासी ग्राम समौली प.ह.न. 13 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता मोहन का मृत्य दिनांक 01/02/2002 को ग्राम समौली में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पिता मोहन का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत समौली को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 21/08/2026. तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 30/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
रा०प्र०क्र/अ-2/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जसिन्ता मिंज पत्नी सुमन कुमार मिंज जाति उरांव निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम बिशुनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 38/20 रकबा 0.081 हे0 में से 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 13/06/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०. /अ-2/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयप्रभा किस्पोट्टा पत्नी गाबरियल किस्पोट्टा जाति उरांव निवासी खिखीरपारा कुसमी तहसील कुसमी जिला बलरामपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम असोला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 748/15 रकबा 0.037 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 13/06/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न. 15
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक झम्मन राम पिता झिटकु राम जाति रजवार निवासी ग्राम सुन्दरपुर.प.ह.न.15.रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान-जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक स्वयं झम्मन राम का जन्म दिनांक 06-04-1962 को ग्राम सुन्दरपुर.में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपना स्वयं झम्मन राम जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सुन्दरपुर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 17/08/2026.तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 30/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम भैयाथान प.ह.न.13
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शुशबु पिता शिवधारी जाति केवट निवासी ग्राम भैयाथान प.ह.न. 13 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता शिवधारी का मृत्यु दिनांक 7/2/2009.को ग्राम भैयाथान में हुई है. अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पिता शिवधारी का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत भैयाथान को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 14/08/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 31/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/अ-6-अ/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरकेश जायसवाल आ० स्व० मोहन लाल जायसवाल, निवासी मोहल्ला रामानुजगंज रोड़, अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा मोहल्ला रामानुजगंज रोड़, नगर अम्बिकापुर सीट नम्बर 4 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2031 / 14 रकबा 0.16 1/4 एकड़ भूमि के नजूल अभिलेखो में दर्ज लगान रू0 3245.00 को सुधार कर रू0 9.10 रुपए अंकित किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय मेंन्टनेंस खसरा वर्ष 1998-99, वर्ष 2025-26 की छायाप्रति सहित प्रस्तुत किया है। उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो भान्य लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-20/08/ 2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 05/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
रा०प्र०क० ब-121/2025-26
ग्राम - ठरकी
तहसील राजपुर
ईश्तहार

एत्द द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ठरकी को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विशेशर आ० स्व. रामनरेश जाति कोरवा निवास ग्राम ठरकी थाना राजपुर राजपुर तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर रामानुजगंज (छ.ग.) द्वारा अपने पिता स्व. रामनरेश आ. रीझु का मृत्यु दिनांक 28.06.2001 को मृत्यु हुआ है। किन्तु मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 16/08/2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03/08/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

विख्यात भजन प्रवाहक कन्हैया मित्तल 18 को करेंगे बाबा श्याम के भजनों की अमृतवर्षा

आयोजन की तैयारियों में जुटे श्याम भक्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शहर में इन दिनों हर ओर श्याम भक्ति की सुगंध फैलने लगी है। गलियों से लेकर चौक-चौराहों तक श्याम रस का वातावरण महसूस किया जा रहा है। श्री श्याम भक्त मंडल सूरजपुर द्वारा 18 अगस्त को रंगमंच स्थित 25 हजार वर्गफुट के टेनसाईल डोम में आयोजित होने वाले श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव ह्यभरोसाह्न को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। आयोजन को ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप देने के लिए श्याम भक्त दिन-रात जुटे हुए हैं। इस महोत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि विश्व विख्यात भजन प्रवाहक कन्हैया मित्तल चंडीगढ़ पहली बार सूरजपुर में बाबा श्याम के भजनों की अमृत वर्षा करेंगे। उनके साथ प्रसिद्ध भजन गायक गौरी शरण इंदौर भी अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को श्याम भक्ति में सराबोर करेंगे। आयोजन समिति के अनुसार संकीर्तन की पूरी रात भक्तिमय वातावरण में एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति होगी और पूरा नगर बाबा श्याम के जयघोष से गूंज उठेगा। महोत्सव को सफल बनाने में श्री श्याम भक्त मंडल के अतुल अग्रवाल, अंकित गर्ग, मुकेश गोयल, शैलेश अग्रवाल, राजू अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, युवराज अग्रवाल, चैतन्य प्रकाश अग्रवाल, गौरांग अग्रवाल, भवीश रोहिला, सचिन गोयल, गौरिश जिंदल, यश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, प्रणव अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, पपल अग्रवाल, संतोष गुप्ता, हरिओम अग्रवाल, उत्पल चट्टोपाध्याय, राकेश कुमार, संस्कार अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल सहित श्री श्याम भक्त मंडल के सभी सदस्य एवं आयोजन से जुड़े श्याम प्रेमी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जुटे हुए हैं।

चर्चित साँवारावा धान खरीदी में सत्यापन कार्य मे लापरवाही पर पटवारी निलंबित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। किसानों के पसीने की मेहनत और धान खरीदी व्यवस्था की पारदर्शिता से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्व में लापरवाही बरतना एक पटवारी को भारी पड़ गया। जिले के चर्चित सांवारावा धान खरीदी केंद्र में टोकन सत्यापन कार्य में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर भैयाथान एसडीएम ने संबंधित पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार सावारावा धान खरीदी केंद्र में जारी होने वाले टोकनों के पीवी एप के माध्यम से सत्यापन की जिम्मेदारी प्रशासन की ओर से विश्वसनीय कर्मचारी पटवारी विजेन्द्र सिंह को सहायक नोडल अधिकारी के रूप में सौंपी गई थी। जांच के दौरान सत्यापन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता और दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही सामने आने पर 8 जुलाई को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। पटवारी द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण का परीक्षण करने के बाद सक्षम अधिकारी ने उसे संतोषजनक नहीं माना। इसके बाद छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के तहत विजेन्द्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया गया। आदेश के अनुसार निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय भटगांव रहेगा तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। कुलमिलाकर धान खरीदी जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में यह कार्रवाई स्पष्ट संकेत देती है कि किसानों के हितों से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर की लापरवाही या अनियमितता को प्रशासन गंभीरता से ले रहा है और जवाबदेही तय करने की दिशा में कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। यह अलग बात है कि इसी धान खरीदी केंद्र में एसडीम भैयाथान के नेतृत्व में धान खरीदी का सत्यापन कराया गया , जिसमें 32 हजार क्विंटल धान कम पाया गया था, इसके बाद सत्यापन प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय भेजा गया जहां से तत्कालीन कलेक्टर संबंधित प्रबंधक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने निर्देशित किया था। लेकिन उस मामले को पटाक्षेप करते हुए धान खरीदी समाप्त होने के पश्चात पाए गए कमी को बराबर कर दिया गया। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि ऐसी चमत्कारी घटना आखिर कैसे हुई और क्यों कलेक्टर के आदेश का पालन नहीं हुआ,, थाने में शिकायत दर्ज नहीं हुई। सूत्रों की माने तो मामले को रफा दफा कर दिया गया है।

अग्रवाल महिला मंडल की ममता अध्यक्ष एवं सीमा बनी सचिव

सर्वसम्मति से गठित की गई कार्यकारिणी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अग्रवाल महिला मंडल की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों की सहमति से श्रीमती ममता अग्रवाल को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। नई कार्यकारिणी में सीमा गर्ग को सचिव, रिंकी अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, सुमन गोयल एवं सोनू अग्रवाल को उपाध्यक्ष, सीमा गोयल को सह सचिव तथा काजल अग्रवाल को सह कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। संरक्षक मंडल में श्रीमती नयनकला गर्ग, कमलेश गोयल, लता गोयल, ललिता तायल, मीना गोयल, आशा अग्रवाल एवं विजया गर्ग को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मीरा अग्रवाल, मंजू गोयल, सपना अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, सोमिल अग्रवाल, गीता अग्रवाल, रेनी अग्रवाल, रेखा गोयल, उषा अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, नीता गोयल, कनक गोयल, पिंकी गोयल, कुसुम अग्रवाल, स्वाति गोयल, विधि अग्रवाल एवं पिंकी केजरीवाल को शामिल किया गया। इस अवसर पर सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। बैठक में सभी ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को मिल-जुलकर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने नई कार्यकारिणी के प्रति पूर्ण सहयोग एवं विश्वास व्यक्त करते हुए अग्रवाल समाज की सेवा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

खेल शारीरिक और मानसिक विकास का सशक्त माध्यम- पटेल

साधुराम में हुआ इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट का शानदार आगाज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के साधु राम विद्या मंदिर द्वारा आयोजित एमपावर इंटरस्कूल फुटबॉल टूनामेंट का शुभारंभ गुरुवार को विद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के आतिथ्य में हुआ। आयोजन की शुरूआत खिलाड़ियों के परिचय, फ्लैग होस्टिंग, दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का संकल्प लिया। उद्घाटन अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में एमपावर के डायरेक्टर गोविंद मुदलियार, एमपावर की एचआर सुश्री निधि, साधु राम विद्या मंदिर के डायरेक्टर डॉ. राहुल अग्रवाल, एसएमसी अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, पूर्व पार्षद संजय डोसी, विद्यालय की प्राचार्या खुशबू सिंह तथा उप-प्राचार्य दीन दयाल तिवारी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के संचालन तुलेश्वर राजवाड़े, दीपक पटले व निदा फाजली रही। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री पटेल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व व टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करता हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी टीमों को उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं और कहा कि न तो हार से घबराना है न जीत पर इतराना है। बच्चो के साथ अपनी पढ़ाई का समय और यूपीएससी के अनुभवों को साझा किया व कहा कि स्कूली शिक्षा में नकारात्मकता को छोड़ कर सकारात्मक पर फोकस करें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में निरंतर आगे बढ़े। वही टूनामेंट का उद्घाटन मैच कोलंबिया ग्लोबल स्कूल, रायपुर एवं रिवरडेल वर्ल्ड स्कूल, गोंदिया के मध्य खेला गया। दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। निर्धारित समय तक मुकाबला बराबरी पर रहने के बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ, जिसमें रिवरडेल वर्ल्ड स्कूल, गोंदिया ने 3-1 से जीत दर्ज कर टूनामेंट में विजयी शुरूआत की। उद्घाटन समारोह में विद्यालय परिवार, प्रतिभागी विद्यालयों के शिक्षक, प्रशिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह, खेल भावना एवं अनुशासन के उत्कृष्ट वातावरण में तीन दिनों तक चलेगा। टूनामेंट का समापन व फाईनल मुकाबला 08 अगस्त को खेला जायेगा।

दिव्यांगों के सम्मान और युवा प्रतिभाओं के प्रोत्साहन का मंच बनी सेवाकुंज समिति

बैकोना में हुआ आयोजन, समिति की अनूठी पहल ने जीता लोगों का दिल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। आज के दौर में जब अधिकांश सामाजिक गतिविधियां केवल औपचारिकता तक सीमित होती जा रही हैं, ऐसे समय में सेवाकुंज समिति ने समाज के उन वर्गों की ओर हाथ बढ़ाया है, जिन्हें सबसे अधिक सहयोग और प्रोत्साहन की आवश्यकता है। जिले के ग्राम पंचायत बैकोना अटल चौक में समिति द्वारा आयोजित प्रथम सामाजिक कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि यदि समाज संगठित होकर आगे आए, तो जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों का सम्मान, ग्रामीण युवाओं को खेल सामग्री का वितरण तथा सामाजिक सहयोग की अनूठी मिसाल देखने को मिली। समिति की इस पहल को ग्रामीणों ने सराहनीय बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के निरंतर संचालन की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम के दौरान शिवपुर बस्ती की युवा टीम द्वारा बैकोना बस्ती की वॉलीबॉल टीम को दो वॉलीबॉल सेट भेंट किए गए। यह सहयोग सामाजिक कार्यकर्ता शिवचरण नापिक की ओर से किया गया। समिति का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को संसाधनों की कमी के कारण आगे बढ़ने में कठिनाई होती है। ऐसे में खेल सामग्री उपलब्ध कराना युवाओं को नशामुक्ति, अनुशासन और स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करने का प्रयास है। कार्यक्रम में सबसे भावुक क्षण तब आया जब विभिन्न क्षेत्रों से आए दिव्यांगजनों को सम्मानपूर्वक मंच पर बुलाकर प्रत्येक को 11-11 सौ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। सम्मानित होने वालों में श्याम पैकरा खजूरी, मालती कोल, खुशबू, कमल साय, बनस लाल बैकोना, अनिका ठाकुर, अंशिका ठाकुर, रामकिशुन प्रतापपुर, आकाश प्रजापति, तथा दुरमा कोड़ाकू पारा शामिल रहे। इस सम्मान ने दिव्यांगजनों के चेहरे पर मुस्कान ला दी। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को मजबूत करने का प्रयास है। आने वाले समय में भी ऐसे लोगों को चिन्हित कर सम्मानित और प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के अनेक दानदाताओं ने भी खुलकर सहयोग दिया। हरिशंकर गुप्ता, गुलाब मोहन तिवारी, सौरभ मानिकपुरी, हीरालाल पैकरा, हरिशंकर गर्ग तथा निलेश जायसवाल ने सहयोग प्रदान किया। वहीं राष्ट्रीय ध्वज की व्यवस्था महेश गोस्वामी द्वारा की गई। इस अवसर पर फुलेश्वर यादव, हरिशंकर गुप्ता, निलेश गुप्ता, निलेश जायसवाल, थउलाराम, शिवचरण नापिक, महेश गोस्वामी, मंटू पैकरा, रामजतन पैकरा, भंवर, नंदू, हीरा, सरपंच लालमन, घनश्याम, जयप्रकाश देवांगन, राजेंद्र लकड़ा, नंदू, रामकुमार, जगबंधन, रामप्रकाश, अभिषेक, देवशरण सिंह, इंद्र कुमार पैकरा सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह संस्था का पहला बड़ा सार्वजनिक आयोजन है। आगे भी समाज के जरूरतमंद, दिव्यांगजन, प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्था का उद्देश्य केवल सहायता देना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करना है। स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन से भी अपेक्षा जताई कि सेवाकुंज समिति जैसी सेवा भावना से कार्य करने वाली संस्थाओं को हर संभव सहयोग और प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में सेवाकुंज समिति का यह प्रथम प्रयास प्रेरणादायी शुरूआत माना जा रहा है।

शहर पहुंचने पर संत रविदास की पावन मिट्टी कलश का हुआ स्वागत, निकली भव्य शोभायात्रा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास की पावन मिट्टी के कलश का बुधवार को शहर के महामाया चौक पहुंचने पर भाजपा कार्यकताओं के द्वारा श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली सोनी, जिला महामंत्री शशिकांत, जिला कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल, भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अरविंद, विजय राजवाड़े, महिला मोर्चा की पदाधिकारी, सभी पार्षद, एल्डरमैन तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। स्वागत के बाद महामाया चौक से मानपुर चौक होते हुए गायत्री मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ संत रविदास जी के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। वातावरण भक्तिमय नारों और धार्मिक उल्लास से गूंजता रहा। गायत्री मंदिर पहुंचने पर संत रविदास जी की पावन मिट्टी के कलश की विधिवत पूजा-अर्चना की गई तथा समाज में समरसता, समानता और सद्भाव का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकताओं ने संत रविदास जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश देती इस रैली में शहरवासियों की भी उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

निःशुल्क सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत छात्राओं को मिली साइकिल, शिक्षा के प्रति किया गया प्रेरित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। शासन की महत्वाकांक्षी निःशुल्क सरस्वती साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पतरापाली के कक्षा 9वीं में अध्ययनरत छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा महामंत्री सौभाग्य दुबे रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सौभाग्य दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद बनी भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सरस्वती साइकिल योजना की शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में हुई थी। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और उन्हें विद्यालय तक सुगमता से पहुँचाने के उद्देश्य से की गई साईकिल वितरण की यह योजना बाद में राष्ट्रव्यापी हो गई, अब अनेक राज्यों में बालिकाओं को साईकिल वितरण की यह योजना लागू है। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे साइकिल का उपयोग केवल शिक्षा एवं आवश्यक कार्यों के लिए करें तथा उसकी नियमित देखभाल करें। उन्होंने कहा कि साइकिल को बोझा ढोने या अन्य अनुचित कार्यों में उपयोग न करें, बल्कि इसे अपनी शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य का साथी बनाएं। उन्होंने सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर मेहनत करने का संदेश दिया। वही विशिष्ट अतिथि जनपद सदस्य श्रीमती अनिता सिंह ने कहा कि शिक्षा ही जीवन को नई दिशा देती है। उन्होंने महान समाज सुधारिका सावित्रीबाई फुले का उदाहरण देते हुए छात्राओं से कठिन परिस्थितियों में भी शिक्षा जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज की छात्राएँ ही भविष्य की कलेक्टर, तहसीलदार, डॉक्टर, इंजीनियर एवं अन्य उच्च पदों पर पहुँचकर समाज और राष्ट्र का नाम रोशन करेंगी। शासन द्वारा प्रदान की जा रही साइकिल उनके विद्यालय आने-जाने को सरल और सुरक्षित बनाएगी। कार्यक्रम का सफल संचालन व्याख्याता बिजेन्द्र साहू ने किया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती परबतिया सिंह, उपसरपंच मधुशीला सिंह, अरविन्द सिंह, रामभरोस, शिवधन सिंह, प्राचार्य हेमसाय, संतोष जायसवाल, श्रीमती रीनू दुबे, राजेश्वर सिंह, मुनेश्वर राम, संजय साहू, छाया सिंह, योगेश साहू सहित विद्यालय परिवार, पालकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। साइकिल प्राप्त करने के बाद छात्रा रूपा यादव ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, ह्लअब हमें विद्यालय आने-जाने में कठिनाई नहीं होगी और हम समय पर नियमित रूप से विद्यालय पहुँच सकेंगे।ह्व वहीं छात्रा पूजा यादव ने कहा, ह्लशासन द्वारा मिली यह साइकिल हमारे लिए बहुत उपयोगी है। इससे पढ़ाई जारी रखने में सुविधा मिलेगी और समय की भी बचत होगी।ह्व कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने छात्राओं को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं शिक्षा के माध्यम से अपने सपनों को साकार करने की शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय परिवार ने शासन की इस योजना को छात्राओं की शिक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए इसके लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

दो दिनों की झमाझम बारिश से खिले किसानों के चेहरे

उफान पर नदी नाले, ग्रामीण सड़कों की बदहाली बनी चिंता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने पूरे इलाके का जनजीवन प्रभावित कर दिया है। लगातार वर्षा से क्षेत्र की लगभग सभी छोटी-बड़ी नदियां और नाले उफान पर हैं। कई जगह पानी पुल-पुलियों के ऊपर से बहने लगा है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, इस बारिश ने किसानों के लिए राहत और उम्मीद की नई किरण भी जगाई है। पर्याप्त पानी मिलने से धान की रोपाई का कार्य पूरे जोर-शोर से चल रहा है और खेतों में किसानों की चहल-पहल बढ़ गई है।

चांदनी, बिहारपुर, महुली, कोल्हुआ, रामगढ़, उमझर, नवाटोला सहित आसपास के कई गांवों में सुबह से शाम तक रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। खेतों में पानी भर जाने से किसान परिवार धान की रोपाई में जुट गए हैं। किसानों का

कहना है कि समय पर हुई अच्छी बारिश से इस वर्ष बेहतर उत्पादन की उम्मीद बढ़ गई है। पिछले कुछ दिनों से वर्षा का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह बारिश किसी वरदान से कम नहीं है। हालांकि, बारिश का दूसरा पहलू भी सामने आया है। क्षेत्र की अधिकांश कच्ची और ग्रामीण सड़कें पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो गई हैं। कई स्थानों पर सड़कें फिसलन भरी हो गई हैं, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों, विद्यार्थियों और मरीजों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दूरस्थ गांवों को जोड़ने वाले कई संपर्क मार्गों पर कीचड़ और जलभराव के कारण परिवहन व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। लगातार बारिश से नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। प्रशासन ने लोगों से उफनते नालों और पुल-पुलियों को पार नहीं करने तथा अनावश्यक रूप से नदी-नालों के आसपास जाने से बचने की अपील की है। ग्रामीणों से मौसम विभाग और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने को भी कहा गया है। क्षेत्र के किसानों का मानना है कि यदि आने वाले दिनों में भी संतुलित बारिश होती रही तो धान की फसल अच्छी होने की पूरी संभावना है। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से बारिश के दौरान खराब हो चुकी ग्रामीण सड़कों की मरम्मत कराने और प्रभावित मार्गों पर आवश्यक व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि बरसात के मौसम में लोगों को राहत मिल सके। बारिश ने जहां एक ओर खेती-किसानी को नई संजीवनी दी है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण अधोसंरचना की कमजोर स्थिति को भी उजागर कर दिया है। आने वाले दिनों में यदि वर्षा का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

रिहायशी इलाके में पहुँचे हाथी ने तोड़ा 3 घर, फसलों को पहुंचाया भारी नुकसान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के रामानुजनगर वन परिक्षेत्र अंतर्गत बकीरामा क्षेत्र में एक हाथी की धमक ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पिछले छह दिनों से लगातार उत्पात मचा रहा हाथी अब

दहशत में बकीरामा के ग्रामीण

जंगल और खेतों से निकलकर रिहायशी इलाके तक पहुंच गया है। हाथी ने गांव में घुसकर तीन मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया और आसपास के खेत व बाड़ी में लगी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है।

बताया गया है कि हाथी के लगातार गांव के आसपास मंडराने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोग शाम होते ही घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं और रातभर भय के साये में समय गुजारने को मजबूर हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि हाथी को जल्द जंगल की ओर नहीं खदेड़ा गया

तो जनहानि की भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रही है।

विभाग द्वारा ग्रामीणों को सतर्क रहने, हाथी के नजदीक नहीं जाने और किसी भी गतिविधि की तत्काल सूचना वन अमले को देने की अपील की गई है। टीम हाथी की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है और उसे सुरक्षित रूप से जंगल की ओर वापस भेजने के प्रयास किए जा रहे हैं। वन विभाग ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

फिलहाल पूरे बकीरामा क्षेत्र में हाथी की मौजूदगी को लेकर भय और सतर्कता का माहौल बना हुआ है।

राज्य स्तर पर सम्मानित किए गए सूरजपुर के दो वीएलई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। 17वें सीएससी दिवस पर राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में जिले के दो ग्राम स्तरीय उद्यमियों को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन एवं उत्कृष्ट सेवा योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में शैलेन्द्र कुमार कुशवाहा एवं प्रशांत कुमार सरकार को ''टॉप ट्रांजैक्टिंग वीएलई श्रेणी में सम्मानित किया गया। दोनों उद्यमियों ने कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय एवं डिजिटल सेवाएँ उपलब्ध कराने में उल्लेखनीय कार्य किया है, जिसके फलस्वरूप उन्हें यह उपलब्धि प्राप्त हुई। उल्लेखनीय है कि कॉमन सर्विस सेंटर ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इनके माध्यम से आम नागरिकों को शासन की विभिन्न ऑनलाइन सेवाएँ, प्रमाण पत्र, बैंकिंग एवं अन्य नागरिक सुविधाएँ अपने ही गाँव में सहजता से उपलब्ध हो रही हैं। सूरजपुर जिले के वीएलई द्वारा इस दिशा में किए गए कार्य की राज्य स्तर पर सराहना की गई। दोनों वीएलई की इस उपलब्धि को जिले एवं सीएससी परिवार के लिए गर्व का विषय बताया गया है।

मुख्यमंत्री ने 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान अभियान का किया शुभारंभ

रायपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज महानदी भवन, नवा रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी के अंतर्गत राज्यव्यापी 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया।

उन्होंने घोषणा की कि 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान प्रदेश के प्रत्येक गांव में मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों के सभी शासकीय विद्यालयों में बालिकाओं के लिए शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान बेटियों के सम्मान, ग्रामीण स्वच्छता, सामाजिक गरिमा और आधारभूत सुविधाओं को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार का ऐतिहासिक कदम है।

धरसेड़ी बीट के नवापारा स्कूल में लगा बाघ चौपाल, ग्रामीणों ने वन्यजीवों के संरक्षण व सुरक्षा का संकल्प

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। वन परिक्षेत्र कुदरगढ़ के अंतर्गत सर्किल धरसेड़ी बीट के नवापारा स्कूल भवन में बुधवार को रात्रि कालीन बाघ चौपाल बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे वन परिक्षेत्र अधिकारी कुदरगढ़ एवं परिक्षेत्र सहायक वृत्त धरसेडी के परिक्षेत्र सहायक, परिसर रक्षक एवं टाइगर ट्रेकर्स उपस्थित रहे। वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, सदस्य एवं ग्राम पंचायत धर्सेडी के उप सरपंच , पंच प्रतिनिधि एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में वन परिक्षेत्र अधिकारी के द्वारा पंडो जनजातियो एवं अनुसूचित जनजातियों के लोगो को वनों की सुरक्षा एवं वन्य प्राणियों के संरक्षण के सम्बन्ध मे विस्तार से जानकारी दी गई।

ग्रामीणों को अवैध शिकार तथा जाल फंदा न लगाने की समझाईश दी गई। जिसके बाद ग्रामीणों को स्वयं अपने औजारों को समर्पण करने को कहा गया।

ग्रामीणों से यह भी अपील की गई की वे वन विभाग को वनों एवं वन्यजीवों के संरक्षण और सुरक्षा में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। जिस पर उपस्थित ग्रामीणों ने अपनी सहमति देते हुए वन्यजीवों के संरक्षण व उनके सुरक्षा का संकल्प लिया।

नवपदस्थ संयुक्त संचालक से शालेय शिक्षक संघ ने की मुलाकात, शिक्षक हितों पर हुई चर्चा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सरगुजा संभाग शिक्षा के नवपदस्थ संयुक्त संचालक डॉ. राजेश कुमार सिंह से शालेय शिक्षक संघ, के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष यादवेन्द्र दुबे के नेतृत्व में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने उनका स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी तथा शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सहयोग का विश्वास व्यक्त किया।

मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने जिले के शिक्षकों से संबंधित विभिन्न प्रशासनिक, सेवा संबंधी एवं शैक्षणिक समस्याओं को विस्तारपूर्वक संयुक्त संचालक के समक्ष रखा। शिक्षकों के लंबित प्रकरणों, विद्यालयों की कार्यप्रणाली, शैक्षणिक व्यवस्थाओं तथा शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई।।संयुक्त संचालक डॉ. सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि शिक्षक, शिक्षा व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनकी वास्तविक समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी मामलों का नियमानुसार परीक्षण कर शिक्षकों की समस्याओं के शीघ्र, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण के लिए आवश्यक पहल की जाएगी। साथ ही उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि उनका कार्यालय सदैव शिक्षक हित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध रहेगा। शालेय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष ने संयुक्त संचालक के सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मुलाकात केवल एक औपचारिक भेंट नहीं बल्कि सरगुजा संभाग की शिक्षा व्यवस्था एवं सूरजपुर जिले के शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की दिशा में एक सकारात्मक और उम्मीद जगाने वाली शुरुआत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संयुक्त संचालक के नेतृत्व में शिक्षकों की लंबित समस्याओं का समयबद्ध निराकरण होगा तथा शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में ठोस पहल देखने को मिलेगी।

इस दौरान जिला सचिव गौतम शर्मा, उपाध्यक्ष संतोष भारती, कोषाध्यक्ष राकेश गौतम, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अरूणा कौशिक, प्रवक्ता मनीष राय तथा कमल किशोर पाण्डेय, अंकित कोसरिया एवं संजय मिश्रा सहित संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के क्रियान्वयन हेतु जिपं में हुई कार्यशाला

58 पंचायतो के सरपंच, सचिव व स्वच्छता दीदी हुई शामिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ठोस अवशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित हुई। विदित हो कि 01 अप्रैल से सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा पारित आदेशों के पालन हेतु ठोस अवशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 लागू किया गया, जिसके परिपालन में प्रथम चरण हेतु 58 ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव और ''डोर टू डोर'' अपशिष्ट संग्रहण पृथक्करण कार्य करने वाली स्वच्छता दीदियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान ठोस अवशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 हेतु ग्राम पंचायत की जिम्मेदारियों पर प्रेजेंटेशन के माध्यम से बिंदुवार चर्चा की गई, पाक्षिक कार्ययोजना बनाकर अक्टूवर तक लक्षित पंचायत में समस्त मापदंडों का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य है। नियमित डोर टू डोर अपशिष्ट प्रबंधन, चार प्रकार के अपशिष्ट का पृथक करण स्त्रोत सेग्रीगेशन को बढ़ावा देना, खुले में कचरा फेंकने पर प्रतिबंध, बल्व वेस्ट जेनरेट स्थलों का चिन्हांकन और पंजीयन,

कचरा जलाने पर प्रतिबंध एवं दंड का प्रावधान किया गया है। सामुदायिक जागरूकता हेतु आईसी गतिविधियों दिवाल लेखन, चौपाल, बैठक रैली, का आयोजन इस अवसर पर सीईओ ज़िला पंचयात द्वारा एसडब्लूएम रूल 2026 की प्रति सरपंच, सचिव को उपलब्ध कराई गई। देवीपुर, कूंदेत, लांजीत, चुनगुड़ी के सरपंच ने अपने विचार रखे कैसे अपने ग्राम को नियत समय पर मापदंड अनुसार तैयार करेंगे। जन सहभागिता आधारित चौपाल सामुदायिक जागरूकता हेतु जनप्रतिनिधि की सहभागिता से व्यवहार परिवर्तन करने जनपद वार कार्ययोजना बनाना कार्यशाला में राज्य सलाहकार पुरुषोत्तम पंडा, जिला समन्वयक एमसीबी राजेश जैन एवं जिला सलाहकार संजय सिंह तथा समस्त खंड स्वच्छता अधिकारी के साथ 58 ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव एवं स्वच्छाग्राहियों ने अपनी उपस्थिति सुनिश्चित की।

पत्नी ही निकली पति की कातिल, साड़ी से गला घोंटकर की हत्या

रायपुर, एजेंसी। रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम टोकरो में तालाब किनारे मिले युवक के शव की गुत्थी पुलिस ने महज दो दिनों में सुलझा ली है। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि युवक की हत्या उसकी पत्नी ने ही की थी। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान परमेश्वर सिदार (30 वर्ष) निवासी ग्राम तोरला, थाना झरबन, जिला बरगढ़ (ओडिशा) के रूप में हुई है। वह पिछले छह माह से ग्राम टोकरो के तालाब में चौकीदारी का काम कर रहा था। मंगलवार को उसका शव तालाब किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। संदेह के आधार पर मृतक की पत्नी तिजिया सिदार (26 वर्ष) से पूछताछ की गई। शुरुआत में वह पुलिस को गुमराह करती रही, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

आरोपी महिला ने बताया कि उसका पति शराब पीने का आदी था और आए दिन विवाद व मारपीट करता था। घरेलू कलह और प्रताडऩा से परेशान होकर उसने साड़ी से पति का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अभनपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज दो दिनों में इस अंधे कत्ल का खुलासा कर दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है।

कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी ने नगरी के विद्यालयों का किया सघन निरीक्षण

धमतरी, एजेंसी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी मधुलिका तिवारी ने विकासखंड नगरी के विभिन्न विद्यालयों का सघन निरीक्षण कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं, विद्यार्थियों की उपस्थिति और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों और प्राचार्यों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने, शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार पाठ्यक्रम पूर्ण कराने, नियमित मूल्यांकन करने और बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केरेगांव में मासिक परीक्षा, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, विषयवार अध्यापन और विद्यार्थियों की उपस्थिति की समीक्षा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने अनियमित विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क कर उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा परीक्षा की तैयारी ब्लूप्रिंट के अनुरूप कराने के निर्देश दिए। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरगुड़ी में उपचारात्मक (रिमेडियल) कक्षाओं के संचालन, विद्यालय विकास योजना और विषयवार अध्यापन की जानकारी ली गई। विद्यार्थियों से संवाद के दौरान संध्या प्रार्थना सभा नियमित नहीं होने की जानकारी मिलने पर प्राचार्य को इसे तत्काल नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए। पीएम श्री श्रृंगी ऋषि सेजेस शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगरी में स्मार्ट बोर्ड और इंटरएक्टिव पैनल के माध्यम से कराए जा रहे आधुनिक शिक्षण कार्यों की जिला शिक्षा अधिकारी ने सराहना की। इस दौरान उन्होंने कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों को रसायन शास्त्र के 'रासायनिक आबंधन' विषय का अध्यापन भी कराया। उन्होंने प्रवीण सूची में स्थान बनाने की क्षमता रखने वाले विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें विशेष मार्गदर्शन देने और नीट एवं जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सहायक संचालक कीर्ति कुमार साहू और विकासखंड शिक्षा अधिकारी नगरी कलीराम साहू भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करने पर जोर दिया।

प्रदेश में सरकार बदलने कांग्रेस को 40 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य लेकर चलना होगा

जिला कांग्रेस की 5 घंटे चली वृहद कार्यशाला, बूथ स्तर तक जनसंपर्क, स्मार्ट मीटर आंदोलन तेज करने का संकल्प

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्मार्ट मीटर के खिलाफ घोषित आंदोलन को धार देने और संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने गुरुवार को वृहद कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला करीब 5 घंटे चली। इसमें जिला कार्यकारिणी, ब्लॉक अध्यक्ष, मोर्चा-संगठन के प्रभारी और मंडल अध्यक्ष शामिल हुए। कार्यशाला में वक्ताओं ने संगठनात्मक और जनसंपर्क के विषयों पर प्रशिक्षण दिया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि देश और प्रदेश में सरकार बदलने के लिए कांग्रेस को 40 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य लेकर चलना होगा। उन्होंने कहा कि नोटबंदी, परीक्षा लीक, बेरोजगारी, महंगाई, इथेनॉल, स्मार्ट मीटर और राम मंदिर चढ़ावा चोरी जैसी हर विफलता के पीछे सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि इथेनॉल के लिए गडकरी, परीक्षा लीक के लिए धर्मेंद्र प्रधान और स्मार्ट मीटर के लिए प्रदेश सरकार को टारगेट करने के बजाय सीधे प्रधानमंत्री को लक्ष्य करना चाहिए।

राजनीति सेवा है, संवाद से सत्ता मिलेगी

निगम के पूर्व सभापति अजय अग्रवाल ने बूथ कमेटी स्तर तक जनसंवाद का तरीका बताया। उन्होंने कहा कि राजनीति सेवा का क्षेत्र है और अंतिम व्यक्ति का विकास ही कांग्रेस का लक्ष्य है। इसके लिए मतदाता से सीधा संवाद जरूरी है।

स्मार्ट मीटर पर जनता का भारी विरोध

एआईसीसी सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने कहा कि पिछले 3 दिन के जनसंपर्क में स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का फार्म भरने में उपभोक्ताओं ने भारी उत्साह दिखाया। महिलाएं खुद महतारी वंदन वसूली का स्टिकर स्मार्ट मीटर पर लगा रही हैं। उन्होंने कहा कि टीएस सिंहदेव के ऊर्जा मंत्री रहते शहर-जिले के लिए स्वीकृत सबस्टेशन की योजनाएं रद्द होने से आज बिजली कटौती और बढ़ा बिल झेलना पड़ रहा है।

अन्य वक्ताओं ने कही ये बात

पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने एग्री स्टेट पंजीकरण, राशन वितरण की अव्यवस्था पर जानकारी दी। अरविंद सिंह गप्पू व हेमंत तिवारी ने ग्रामीण स्तर पर कानूनी सहायता की प्रक्रिया बताई। जमील खान ने मतदाता सूची की समीक्षा और अनूप मेहता ने सोशल मीडिया व कनेक्ट कांग्रेस की नई व्यवस्था से अवगत कराया।

आंत सड़ने से पहले डॉक्टरों ने बचाई मासूम की जान

2 घंटे के ऑपरेशन से डेढ़ साल के बच्चे को मिली नई जिंदगी

■ ऑब्स्ट्रक्टेड हर्निया से पीड़ित मरीज बच्चे का मेडिकल कॉलेज में सफल ऑपरेशन

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पेट में फंसी आंत सड़ने ही वाली थी, लेकिन मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर संबद्ध जिला अस्पताल के डॉक्टरों की सूझबूझ और तत्परता से डेढ़ साल के मासूम को नई जिंदगी मिल गई।

मासूम ऑब्स्ट्रक्टेड हर्निया से पीड़ित था, जिसका 29 जुलाई को करीब 2 घंटे तक सफल ऑपरेशन किया गया। डॉक्टरों का कहना है कि अगर समय रहते सर्जरी नहीं होती तो बच्चे की जान को बचाना मुश्किल हो जाता।

पेट दर्द से शुरू हुई थी परेशानी

सूरजपुर जिले का डेढ़ वर्षीय मासूम रूपेन्द्रनाथ को 23 जुलाई को अचानक पेट फूलने और तेज दर्द की शिकायत हुई। परिजन उसे तुरंत जिला अस्पताल सूरजपुर ले गए। यहां स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर 29 जुलाई को बच्चे को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां पहुंचते ही डॉक्टरों ने बच्चे का सोनोग्राफी कराया। जांच में पता चला कि बच्चे की छोटी और बड़ी आंत पेट के निचले हिस्से में फंस गई है। डॉक्टरों ने इसे ऑब्स्ट्रक्टेड हर्निया बताया। इस बीमारी में समय पर इलाज न हो तो आंत में सड़न शुरू हो जाती है।

2 घंटे चला जटिल ऑपरेशन

बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने तुरंत ऑपरेशन का फैसला लिया। 29 जुलाई को ही करीब 2 घंटे तक चली सर्जरी में डॉक्टरों ने बड़ी सावधानी से फंसी हुई आंत को बाहर निकालकर सही जगह पर स्थापित किया। ऑपरेशन के बाद बच्चे की स्थिति अब सामान्य है। उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

इन डॉक्टरों की टीम ने बचाई जान

इस जटिल ऑपरेशन को डॉ. पीआर शिवहरे, डॉ. मनोज भारती, डॉ. शुभम कांत और एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. रूपक की टीम ने अंजाम दिया। डॉक्टरों ने बताया कि ऑब्स्ट्रक्टेड हर्निया के मामले में हर घंटा कीमती होता है। थोड़ी सी भी देरी से आंत खराब हो सकती थी और जान को खतरा हो सकता था।

1962 में मृत मोहन साय ने 2025 में कर दी जमीन की रजिस्ट्री

फर्जी आधार बनाकर धोखाधड़ी, कोतवाली पुलिस ने 3 आरोपियों को दबोचा

■ पार्षद आलोक दुबे की शिकायत पर कूटरचित दस्तावेज से जमीन बेचने वालों का हुआ पर्दाफाश

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना कोतवाली पुलिस ने जमीन फर्जीवाड़े के बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। आरोपियों ने 1962 में मर चुके व्यक्ति के नाम से फर्जी आधार बनवाकर 30 लाख रुपये की जमीन धोखाधड़ी करके बेच दी। मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मुख्य आरोपी समेत अन्य की तलाश जारी है। इस पूरे मामले में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 541/26, बीएनएस की धारा 61(2), 318(4), 336(3), 338, 340(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिन्हा, उप निरीक्षक केके यादव, प्रधान आरक्षक छात्रपाल सिंह, महिला आरक्षक सरस्वती पांडेय, आरक्षक आनंद गुप्ता, लालबाबू की टीम शामिल रही।

ऐसे किया गया फर्जीवाड़ा

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्षद आलोक दुबे की शिकायत पर जांच में पता चला कि घुटरापारा, मौजा मायापुर, पटवारी हल्का 14 स्थित खसरा नंबर 356/2, रकबा 0.065 हेक्टेयर भूमि मोहनसाय पिता ओलो, निवासी नवागढ़ के नाम दर्ज थी। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार मोहनसाय की मौत वर्ष 1962 में हो चुकी है। लेकिन आरोपियों ने आपराधिक षड्यंत्र कर मृतक के स्थान पर दूसरे व्यक्ति को मोहनसाय बताकर खड़ा किया। उसका कूटरचित आधार कार्ड बनाकर पहचान बदल दी। इसी फर्जी दस्तावेज के आधार पर 25.09.2025 को पहला विक्रय विलेख कराया गया। इस विलेख में रामनिवास गुप्ता और एक महिला आरोपी क्रेता बने।

30 लाख में आगे बेची जमीन

जांच में सामने आया कि फर्जी रजिस्ट्री के बाद इसी जमीन को बंटी पटेल उर्फ वर्षित पटेल ने 18.03.2026 को मोहम्मद नियाजुल होदा, गुलाम सरवर और विशाल गुप्ता को लगभग 30 लाख रुपये में बेच दिया।

जमीन का सौदा बंटी पटेल कराया

रामनिवास गुप्ता ने पूछताछ में बताया कि जमीन का सौदा बंटी पटेल ने कराया था। चेक नंबर सिर्फ रजिस्ट्री में दिखाने के लिए लिखवाए गए थे। महिला आरोपी ने बताया कि सौदा उसकी मां के माध्यम से हुआ और दूसरों के कहने पर उसने अपने नाम रजिस्ट्री कराई।

चेक और मोबाइल जब्त

विवेचना के दौरान पुलिस ने रामनिवास गुप्ता उर्फ बोखा पिता मिश्री लाल गुप्ता 41 वर्ष, निवासी महामाया मंदिर नवागढ़ और 2 महिला आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में सभी ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने रामनिवास से रजिस्ट्री में इस्तेमाल चेक, चेकबुक और मोबाइल फोन भी जब्त किया है। आरोपियों को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया गया। प्रकरण में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी शेष है।

> आरोपियों ने मरे हुए व्यक्ति के नाम पर फर्जी दस्तावेज बनाकर करोड़ों की जमीन बेच दी। हमने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य साजिशकर्ता बंटी पटेल की गिरफ्तारी के लिए टीम लगी है। फर्जीवाड़ा करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई है।
> **शशिकांत सिन्हा**
> **कोतवाली थाना प्रभारी**

गुरुघासीदास वार्ड को पहली बार मिला अपना आंगनबाड़ी भवन

12 लाख की लागत से भवन और 3.20 लाख से नाली मरम्मत का शिलान्यास

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के गुरुघासीदास वार्ड के लिए गुरुवार का दिन ऐतिहासिक रहा। भवन विहीन इस वार्ड को आज अपना पहला आंगनबाड़ी भवन मिल गया। पार्षद शुभम जायसवाल के अथक प्रयासों से 12 लाख रुपये की लागत से बनने वाले भवन का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास समारोह में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, महापौर मंजूषा भगत, निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी एवं एमआईसी सदस्य मनीष सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। शिलान्यास कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष अमित सिन्हा, पूर्व पार्षद शेखर झरिया, उमा देवी राजवाड़े, श्रीकांत सिन्हा, मिथुन सिंह, कृष्ण मुरारी शर्मा, सूरज तिवारी, मुकेश गुप्ता, सुभाष गुप्ता, कबीर गोस्वामी, आशुतोष मिश्रा, सुरेश सोनी, सुरेंद्र सोनी, लाल विजय, समीर सक्षम, साहिल, महेंद्र सूर्यवंशी, वनस झा, आर्यन सहित बड़ी संख्या में वार्ड के निवासी उपस्थित रहे। सभी ने इस कार्य के लिए पार्षद शुभम जायसवाल की पहल की सराहना की।

तीन आंगनबाड़ी किराये के भवन में चल रही थी

गुरुघासीदास वार्ड में अभी कुल 3 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जो अब तक किराये के भवन में चल रहे थे। भवन की समस्या के कारण बच्चों और कार्यकर्ताओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। नए भवन बनने से अब बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

3.20 लाख से नालियों की मरम्मत होगी

इसी कार्यक्रम में वार्ड की जर्जर पड़ी नालियों के मरम्मत कार्य का भी शिलान्यास किया गया। इस कार्य पर 3 लाख 20 हजार रुपये की लागत आएगी। इससे मानसून में जलजमाव की समस्या से भी निजात मिलेगी।

बस से टक्कर के बाद इनोवा टैंकर से टकराई, घायलों की मदद के लिए राहगीर आगे आए

एनएच-130 पर हुआ हादसा, 1 महिला की मौत, 7 घायल

छ.ग. फ्रंटलाइन लखनपुर। नेशनल हाईवे 130 पर जजगा स्थित राजवाड़े ढाबा के समीप बुधवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। रायपुर की ओर से आ रही इनोवा क्रिस्टा को अंबिकापुर की ओर से आ रही पॉपुलर बस ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि इनोवा अनियंत्रित होकर पीछे खड़े टैंकर से जा टकराई। हादसे में इनोवा सवार 1 महिला की मौत हो गई जबकि 7 लोग घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 5-6 अगस्त की दरमियानी रात करीब 1 बजे यह हादसा हुआ। इनोवा क्रमांक सीजी 15 ईडी 9050 में सवार लोग बिलासपुर जिले में अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होकर अपने गृह ग्राम लौट रहे थे। विपरीत दिशा से आ रही पॉपुलर बस क्रमांक सीजी 15 डीएम 0186 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए इनोवा को सीधी टक्कर मार दी।

स्थानीय लोगों ने की मदद

घटना की सूचना मिलते ही लखनपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से दुर्घटनाग्रस्त इनोवा में फंसे घायलों को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए लखनपुर अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया।

हादसे में मृत महिला की पहचान दिलीप कुमारी तिग्गा, पति आसान लाल तिग्गा, निवासी थाना लुण्ड्रा के रूप में हुई है। घटना के बाद से मृतिका के परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस ने सुशील तिग्गा पिता आसान तिग्गा 26 वर्ष की रिपोर्ट पर धारा 194 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर मामला दर्ज कर लिया है।

स्वच्छ शौचालय बालिकाओं का अधिकार

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नए शौचालय का लोकार्पण

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर में बालिकाओं के लिए निर्मित नवीन शौचालय का लोकार्पण गुरुवार को किया गया। इस सुविधा को बालिकाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। लोकार्पण कार्यक्रम में नगर निगम महापौर मंजुषा भगत, सभापति हरमीन्दर सिंह टिन्नी, निगम के एमआईसी सदस्य मनीष सिंह, श्वेता गुप्ता, शशिकांत जयसवाल और गुरु नानक वार्ड के पार्षद शैलेश कुमार सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा फीता काटकर की गई।अतिथियों ने कहा कि स्वच्छ शौचालय केवल सुविधा नहीं, बल्कि बालिकाओं के आत्मसम्मान, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण अधिकार है। उन्होंने विद्यालय परिवार के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी आधारभूत सुविधाएं बालिकाओं की नियमित उपस्थिति बढ़ाने और शिक्षा के लिए सकारात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यालय की प्राचार्या अर्पणा दुबे ने बताया कि नवीन शौचालय में स्वच्छ जल, साफ-सफाई और आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में बालिका हितैषी वातावरण बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और यह सुविधा उसी दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम में संस्था के अभिमन्यु सिन्हा, दया शंकर तिवारी, जय शंकर गुप्ता, कविता बंसल, राधेश्याम यादव, मनसूर आलम, राजेश राय, सुनीता दास और व्यायाम शिक्षक राजेश प्रताप सिंह सहित सभी शिक्षक, छात्राएं और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। छात्राओं ने स्वच्छता जागरूकता पर संदेश और प्रेरक विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वच्छ विद्यालय-स्वस्थ बालिका-उज्ज्वल भविष्य का संकल्प लिया और परिसर की स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया।

सिद्धार्थ स्कूल में खेल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने दिया प्रशिक्षण का मंत्र

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सिद्धार्थ हायर सेकेंडरी स्कूल में विद्यालय के संचालक सी.पी. सिंह के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों में खेल भावना विकसित करने एवं खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष खेल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

खेल से बनता है व्यक्तित्व-कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने खेलों के महत्व, अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास तथा स्वस्थ जीवनशैली पर प्रेरणादायक जानकारी दी। कोच ने विद्यार्थियों को बास्केटबॉल की मूल तकनीकों, नियमों एवं बारीकियों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता और मानसिक मजबूती का भी आधार है। सी.पी. सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण आधार है और प्रत्येक विद्यार्थी को नियमित रूप से किसी न किसी खेल से अवश्य जुड़ना चाहिए। कोच राजेश प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों से नियमित अभ्यास करने, मोबाइल की अपेक्षा मैदान को अधिक समय देने तथा प्रतिदिन कम से कम एक खेलने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में प्रतिदिन नि:शुल्क बास्केटबॉल प्रशिक्षण दिया जाता है। खेल में रुचि रखने वाले सभी विद्यार्थी वहां आकर अभ्यास कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को खेलों के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त विद्यार्थी, शिक्षक एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

संत रविदास की पावन मिट्टी का कलश सरगुजा पहुंचा

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने हनुमान मंदिर में किया भव्य स्वागत, पावन कलश और रथ का पूरे शहर में होगा भ्रमण

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी की पावन मिट्टी से युक्त कलश और रथ बुधवार को सरगुजा पहुंचा। रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित कलश वंदन एवं वितरण समारोह से प्राप्त इस पवित्र कलश और रथ का भाजपा सरगुजा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन कर भव्य स्वागत किया। स्वागत के बाद पवित्र कलश और रथ को नगर स्थित श्री हनुमान मंदिर में अस्थायी रूप से स्थापित किया गया। भाजपा नेताओं ने बताया कि यह पवित्र कलश संत रविदास की जयंती वर्ष के अवसर पर जिले के विभिन्न मंडलों और ग्रामों में भ्रमण करेगा। इसका उद्देश्य संत रविदास के सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। इस दौरान महापौर मंजूषा भगत, फुलेश्वरी सिंह, विनोद हर्ष, मधु चौदहा, निश्चल प्रताप सिंह, शुभांगी बिहाड़े, ममता कश्यप, शोभा शर्मा, बबलू गुप्ता, सावित्री जयसवाल, शकुंतला पांडे, नीलम राजवाड़े, बबली नेताम, रजनी बिंद, रश्मि जयसवाल, प्रियंका चौबे, नीलू गुप्ता, अर्चना सिंह, रेनू भारती, सरस्वती यादव, शालिनी सिंह, रीना राय, नलिनी पांडे, रूपा गुप्ता, पंकज गुप्ता, रवि विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संत रविदास के विचारों को आत्मसात कर समाज में समरसता बढ़ाने का संकल्प लिया।

सरगुजा सेक्टर के 28 महाविद्यालयों की खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी शुरू

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में सरगुजा सेक्टर के अंतर्गत आने वाले शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं क्रीडा अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार सिन्हा ने की। बैठक में सरगुजा, बलरामपुर और जशपुर जिले के 28 शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों के क्रीडा अधिकारी उपस्थित हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक सत्र 2026-27 की अंतरमहाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिताओं का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन करना था।

आरजीपीजी कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य पर हुई बात

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा के लिए विद्यार्थियों ने जागरूकता अभियान चलाया। इसका नेतृत्व कंचन, माधुरी, अनुराग, निधि, कान्हा, सुप्रिया और सरस्वती ने किया। अभियान के तहत विद्यार्थियों ने 8 क्लास रूम सेशन आयोजित किए, जिसमें कुल 552 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अभियान का समापन 6 अगस्त को मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय पर नुक्कड़ नाटक के साथ हुआ। विद्यार्थियों का उद्देश्य अपने साथियों के बीच जागरूकता फैलाना, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी टैबू को तोड़ना और परिसर को मानसिक रूप से स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाना था। सत्रों में प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए सरकारी व्यवस्था, अस्पतालों की हेल्पलाइन और अन्य तंत्रों की जानकारी दी गई। नुक्कड़ नाटक के बाद विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियां कराईं जिनमें प्रतिभागियों ने अपनी भावनाएं साझा कीं। इस अवसर पर उपस्थित सोशल इनोवेशन एवं कम्युनिटी इंगेजमेंट सेल के संयोजक डॉ. दीपक सिंह ने कहा कि इस तरह की विद्यार्थी-नेतृत्व वाली गतिविधियां महाविद्यालय के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना को साकार कर रही हैं। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि ऐसी गतिविधियां परिसर में सकारात्मक वातावरण बना रही हैं और विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाकर उनके सपनों को पूरा करने में मददगार साबित होंगी। मुहिम फाउंडेशन की निदेशक आकृति ने कहा कि युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं अक्सर सामाजिक टैबू के कारण खामोश रह जाती हैं। यूथ लीडरशिप एंड कम्युनिटी एक्शन कार्यक्रम के माध्यम से ये विद्यार्थी आत्मविश्वासी चेंजमेकर बनकर उभरे हैं। कार्यक्रम में मुहिम फाउंडेशन से रोस और ऋषिकेश भी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर